गुरुवार
13 अगस्त -2026
वर्ष 10, अंक 340
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

पेज-8

दूध की जगह वनस्पति से बना पनीर एमपी में बैन

भोपाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात रवाना होने से

- सीएम ने जारी किया आदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ पहले लगा चुके प्रतिबंध

पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक में इसके उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के आदेश दिए। बता दें कि एनालॉग पनीर को असली दूध से बने पनीर के विकल्प

के तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें दूध की जगह या दूध के साथ वनस्पति वसा, स्टार्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कम कीमत के कारण बाजार में इसकी खपत तेजी से बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर पर हम प्रतिबंध लगा रहे हैं। जैसा अन्य राज्यों ने लगाया है। हम प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को बढ़ाएंगे और प्राकृतिक रूप से ही पनीर बनाएंगे।

रोज 300 से 400 क्विंटल की खपत का अनुमान- मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर की रोजाना आवक और बिक्री करीब 300 से 400 क्विंटल होने का अनुमान है। इस हिसाब से प्रदेश में हर महीने करीब 9 हजार से 12 हजार क्विंटल, यानी 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर खपने की बात सामने आई है।

मानवाधिकार आयोग ने भी जताई नाराजगी

एनालॉग पनीर की बिक्री को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी नाराजगी जताई है। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों को पत्र लिखने का फैसला किया है। आयोग की ओर से राज्यों से इस तरह के उत्पाद की बिक्री और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर जानकारी मांगे जाने की संभावना है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि एनालॉग पनीर घातक है। इसके लिए एफएसएसएआई को नोटिस देकर पूछ रहे हैं कि इस तरह के पनीर को बेचने की इजाजत क्यों दे रहे हैं। कानूनगो ने कहा कि अगर सिगरेट के ऊपर लिख देते हैं कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो क्या यह हानि करना बंद कर देता है। जब तीन राज्यों की सरकार ने अच्छा निर्णय लिया है तो इस पर अन्य राज्यों को भी निर्णय लिया जाना चाहिए। सिर्फ एरोबिक स्टार्च वाला टेस्ट करने से एनालॉग पनीर पकड़ में नहीं आता है।

संक्षिप्त समाचार

शराबबंदी लगा प्रतिबंध हटाएगी सम्राट सरकार!

- बिहार में नई रिपोर्ट से शुरू हुई बहस

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के करीब एक दशक बाद एक शोध रिपोर्ट ने इस नीति को लेकर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। देश के प्रमुख आर्थिक शोध संस्थानों में शामिल नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की एक स्टडी में बिहार में पूर्ण शराबबंदी खत्म कर नियंत्रित तरीके से शराब की बिक्री शुरू करने और आबकारी कर व्यवस्था बहाल करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक,ऐसा होने पर राज्य के राजस्व में करीब 14 से 15 फीसदी की वृद्धि होगी।

पाक लड़ाकू विमानों ने बलूचिस्तान ढाया कहर

अंधाधुंध बमबारी, 20 लोगों की मौत, सैकड़ों हुए बेघर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में एक बार फिर हवाई हमले किए हैं। बलूच मीडिया ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने सोराब के गिदार इलाके के गोंधन में कई जगहों

पर अंधाधुंध बमबारी की है। इसमें कम से कम 20 आम नागरिक मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। बमबारी की वजह से दर्जनों घर हमले में तब्दील हो गए हैं। पाकिस्तानी एयर फोर्स ने ऐसे समय में बलूचिस्तान में बमबारी की है, जब प्रांत में पाक आर्मी और सरकार को लेकर गुस्सा चरम पर है। पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने प्रांत के कई हिस्सों में बम गिराए हैं।

ट्रम्प ने माना-ईरान के डर से बदलना पड़ा प्लेन

हमला होता तो एयरफोर्स वन पर होता, ट्रक में छिपकर दूसरे विमान तक पहुंचे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान लिया है कि उन्होंने पिछले महीने तुर्किये में ईरान के डर से प्लेन बदला था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे जिस प्लेन से समिट में हिस्सा लेने गए थे उस पर हमले का सबसे ज्यादा खतरा था। ट्रम्प ने यह भी बताया कि उन्हें

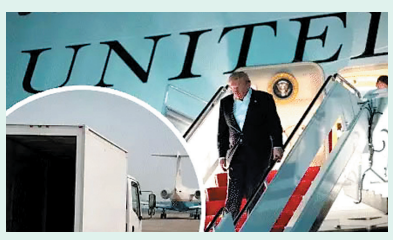

सुरक्षा कारणों से एयरपोर्ट के केटरिंग ट्रक में बैठाकर दूसरे विमान तक ले जाया गया। ट्रम्प ने कहा- अगर कोई हमला होता तो उसी प्लेन को निशाना बनाया जाता। मैं वही करता हूं, जो सुरक्षा एजेंसियां कहती हैं। मुझे लगातार धमकियां मिलती रहती हैं।

एमपी-राजस्थान में जल 'तांडव'

- भोपाल में 200 मकानों में ढाई फीट तक भरा पानी
- कई जगह बाढ़ जैसे हालात, काशी में 100 मंदिर डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून ऐक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब 200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया। रतलाम, झाबुआ, धार, बड़वानी और इंदौर में अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा बारिश का अनुमान है। उधर, राजस्थान में खोखी बांध की दीवार टूटने से 300 बीघा फसल खराब हो गई है। कोटा में टनल के एक हिस्से में पानी भरा हुआ है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पानी भरा, हालात बद्तर

उफनाती नदी में स्कॉर्पियो सवार 6 लोग बहे, बची जान

पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सहारनपुर में शाहपुर गाड़ा नदी पर बना पुल डूब गया। मंगलवार शाम को पुल पर स्कॉर्पियो कार फंस गई। स्कॉर्पियो सवार 6 लोग कार सहित बहने लगे। किसी तरह कार से कूदकर लोगों अपनी जान बचाई। बाद में आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर से कार बाहर निकाली। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट पर 50 फुट ऊंचा रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधे से ज्यादा डूब चुका है। सिर्फ गुंबद दिखाई दे रहा। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। कॉलोनियों में नदी का पानी घुसने से गलियों में नावें चल रही हैं। वहीं, फर्रुखाबाद और बिजनौर के 45 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 31 घर गंगा नदी में समा चुके हैं। मथुरा और आगरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। वृंदावन में केशीघाट का परिक्रमा मार्ग जलमग्न हो गया है।

टाटा के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

अगले साल फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा कंज्यूमर के शेयर 3 फीसदी तक नीचे हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि,टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है।

36 साल पुराने कश्मीरी पंडित मर्डर-केस में

एसआईए की छापेमारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को 1990 के कश्मीरी पंडित पिता-पुत्र हत्याकांड में 9 जगह तलाशी ली। इनमें जम्मू, बारामूला, शोपियां, अनंतनाग शामिल हैं। मामला कश्मीरी पंडित लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता सरवनंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वीरेंद्र कौल के अपहरण और हत्या से जुड़ा है। दोनों अनंतनाग के कोकरनाग स्थित सोफ शाली के रहने वाले थे। 1990 में केस अनंतनाग के डोरू थाने में दर्ज हुआ था। अब इसकी जांच एसआईए कर रही है। कश्मीरी पंडित कवि सरवनंद कौल प्रेमी और उनके 27 साल के बेटे वीरेंद्र कौल को 29 अप्रैल 1990 की रात हथियारबंद आतंकियों ने उनके घर से किडनैप किया था। इसके कुछ दिन बाद शव पेड़ से लटके मिले।

पीएम मोदी ने जेन जी को दिया बड़ा मैसेज

'शॉर्टकट' से दूर रहें 'रील युग' में रह रहे युवा

- पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'रील के युग' में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया।

प्रधानमंत्री का मैसेज-शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। 'शॉर्ट कट' आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। नीट पेपर लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और रील 'पोस्ट' करें। हाल के हफ्तों में पीएम मोदी ने स्वयं युवाओं को संबोधित करते हुए कई बार रील साझा की हैं।

एफसीआरए बिल जेपीसी भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में पास

- अखिलेश यादव बोले-पूरा विपक्ष खिलाफ, रिजिजू ने दी दलील

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर घमासान के बीच सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार इस बिल को संसद की 31 सदस्यीय ज्वाइंट पर्लियामेंट्री कमिटी के पास भेजने का प्रस्ताव किया है। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय बिल को जेपीसी में भेजने संबंधी प्रस्ताव सदन में पेश किया, जो हंगामे के बीच पास भी हो गया। अब ये कमिटी रिपोर्ट विंटर सेशन में सदन में रखेगी।

- एफसीआरए बिल पर जमकर हंगामा- लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय ने जैसे ही एफसीआरए बिल पेश किया तो सदन में हंगामा बढ़ गया। कांग्रेस ने एक सुर में इस बिल को वापस लेने की मांग उठाई। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा विपक्ष इस बिल के खिलाफ है। यह बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। इस बिल को सदन में पेश नहीं किया जाना चाहिए। इस पर रिजिजू ने विधेयक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है।

विपक्ष ने बिल का किया विरोध, जेपीसी में भेजा गया प्रस्ताव

विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए)को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का सरकार विपक्षी सांसदों ने समर्थन किया है। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एफसीआरए बिल को जेपीसी में भेजने की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी रणनीति के तहत आगे भी अपने मुद्दे उठाता रहेगा। सपा सांसद अखिलेश यादव ने एफसीआरए संशोधन बिल पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि वह इसे क्यों लाना चाहती है।

दिल्ली से रांची पहुंचते ही 360 डिग्री घूम गया छात्र आंदोलन

- अब निशाने पर आ गए राहुल गांधी, संसद से सड़क तक संग्राम

रांची (एजेंसी)। दिल्ली से रांची पहुंचते-पहुंचते छात्र आंदोलन का रुख 360 डिग्री घूम गया है। जहां दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर कांग्रेस, केंद्र सरकार पर हमलावर थी, वहीं झारखंड में छात्र आंदोलन पर हुए लाठीचार्ज के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मोर्चा संभाल लिया है। इस सियासी बदलाव के साथ ही संसद से लेकर सड़क तक संग्राम छिड़ गया है और अब निशाने पर राहुल गांधी आ गए हैं।

छात्रों का इस्तेमाल कर रहे राहुल गांधी: बीजेपी

संसद में केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए छात्रों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। साथ ही, पार्टी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के आंदोलन पर विस्तृत चर्चा के दौरान जवाब देने के लिए पहले ही तैयार हैं। विपक्ष 20 जुलाई को संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस बर्बरता को लेकर केंद्रीय मंत्री शाह से जवाब की मांग कर रहा है। मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हमने सोमवार को कहा था कि केंद्र विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है।

जेपीएससी धरनास्थल पर देर रात पुलिस पहुंचने पर सियासत गरम, बीजेपी का आरोप- छात्रों को हटाकर आंदोलन दबाने की कोशिश

रांची, एजेंसी। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म समेत विभिन्न मांगों को लेकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच मंगलवार देर रात करीब 1:30 से 2 बजे के बीच पुलिस-प्रशासन के पहुंचने से विवाद खड़ा हो गया. रात में अधिकारियों के पहुंचने, छात्रों से बातचीत और कुछ लोगों की पहचान की जांच को लेकर देर रात तक आंदोलन स्थल पर सियासी गतिविधियां भी तेज हो गईं.

भाजपा नेताओं ने जहां पुलिस पर आंदोलन को कमजोर करने और छात्रों को हटाने का आरोप लगाया, वहीं प्रशासन ने कहा कि किसी को हिरासत में लेने के लिए टीम नहीं पहुंची थी, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था और कुछ संदिग्ध बाहरी तत्वों की पहचान की पड़ताल के लिए अधिकारी वहां पहुंचे थे.

घटनाक्रम की शुरुआत रात में पुलिस-प्रशासन की टीम के आंदोलन स्थल पहुंचने से हुई. छात्र नेता पीयूष कुमार के मुताबिक स्स्क्क ष्ठस्क्कऔर ष्ठरूसमेत अधिकारी स्टेडियम पहुंचे. उन्होंने आंदोलन स्थल पर मौजूद छात्रों और

भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों से बातचीत की. पीयूष का कहना है कि अधिकारियों ने भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की. अधिकारियों ने ष्ट्ठरुके छात्रों से भी बातचीत की.

पीयूष कुमार ने दावा किया कि छात्रों को आधिकारिक तौर पर आंदोलन स्थल छोड़ने के लिए नहीं कहा गया. हालांकि, उनके मुताबिक अधिकारियों ने कोर कमेटी के सदस्यों से बातचीत करने से इनकार करते हुए कहा कि वे केवल छात्रों से बात करेंगे. इसको लेकर आंदोलनकारियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी रही. इसी दौरान पुलिस की ओर से आंदोलन स्थल पर मौजूद कुछ लोगों की पहचान की भी कोशिश की गई. प्रशासन की नजर इस बात पर थी कि आंदोलन के बीच कोई बाहरी व्यक्ति या असामाजिक तत्व तो मौजूद नहीं है. इसी क्रम में भीड़ में आजमगढ़ का एक युवक भी मिला, जो मास्क लगाकर घूम रहा था. पुलिस ने उससे पूछताछ की और यह जानने की कोशिश की कि वह कहां से आया है और आंदोलन स्थल पर उसकी मौजूदगी का कारण क्या है.

सिटी एसपी पारस राणा ने पूरे घटनाक्रम को लेकर कहा कि पुलिस किसी को हिरासत में लेने नहीं पहुंची थी. उनके मुताबिक, कुछ इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर वीडियो वायरल करने के लिए वहां पहुंचे थे और प्रशासन के पहुंचने के बाद यह अफवाह फैलाई गई कि पुलिस छात्रों को हिरासत में लेने आई है. सिटी एसपी ने कहा कि पुलिस कुछ लोगों की पहचान की पुष्टि करने और छात्रों से बातचीत करने पहुंची थी.

सिटी एसपी ने यह भी कहा कि आंदोलन की कोर कमेटी के सदस्यों ने खुद प्रशासन को बताया था कि कुछ असामाजिक तत्व आंदोलन को डाइवर्ट करने की कोशिश कर रहे हैं. इसी सूचना के बाद पुलिस यह देखने पहुंची थी कि रात के समय आंदोलन स्थल पर कोई बाहरी तत्व मौजूद तो नहीं है. पुलिस का कहना था कि मकसद छात्रों को हटाना नहीं, बल्कि ऐसे लोगों की पहचान करना था जो आंदोलन के नाम पर स्थिति को बिगाड़ सकते हैं. देर रात ही इस घटनाक्रम ने राजनीतिक रंग ले लिया.

भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी आंदोलन स्थल पहुंचे. उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों को जबरन हटाने और उन पर दबाव बनाने पहुंचा था. उन्होंने कहा कि रात में छात्रों को इस तरह हटाने की कोशिश करना किसी भी आंदोलन के साथ उचित व्यवहार नहीं है.

वहीं, रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने प्रशासन का पक्ष रखते हुए कहा कि अधिकारी यह देखने पहुंचे थे कि आंदोलन कर रहे छात्रों को किसी तरह की कमी या परेशानी तो नहीं हो रही है. उन्होंने बताया कि दो छात्र भूख हड़ताल पर हैं. प्रशासन ने उनसे आंदोलन जारी रखते हुए भी भोजन करने और स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ में पुलिस और व्यवसायी के घर से लाखों की चोरी, मंगलसूत्र तक ले गए चोर, जांच में जुटी पुलिस

पाकुड़, एजेंसी। शहरी क्षेत्र के कई मोहल्ले में पुलिस और व्यवसायी के घर में अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की चोरी बीती रात की है. चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद चोर मौके से फरार हो गया है. बुधवार की सुबह जब नगर थाना की पुलिस को सूचना मिली तो थाना प्रभारी दलबल के साथ पहुंचे और चोरी की घटना की जांच कर रही है.

मिली जानकारी के मुताबिक बड़ी अलीगंज स्थित एक सेवानिवृत डीएसपी एलबी राम के मकान में किरायेदार संजय कुमार भगत के घर खिड़की काटकर चोर घुसा था. जिसके बाद घर में रखे कीमती सामान चोरी कर फरार हो गया. चोरी को लेकर किरायेदार दीपा कुमारी ने कहा कि घर में रखे सोने का नेकलेस, मंगलसूत्र, अंगूठी, चेन और 10 ग्राम सोने का टुकड़ा एवं नगद चोरी हुई है.

वहीं पाकुड़ एसपी के आवास में पदस्थापित जवान निसार अहमद के मधपाड़ा स्थित मकान से एक सोने की चेन एवं नगद की चोरी हुई है. घटना को लेकर निसार अहमद ने बताया कि वह ड्यूटी में था. जब देर रात घर लौटा तो लगभग आधा दर्जन अज्ञात चोर घर के दरवाजे पर बोलबम के ड्रेस में मौजूद थे. पूछने पर चोर उसपर गुलेल से हमला कर फरार हो गए.

इसके अलावा शहर के मुख्य डाकघर के निकट अधिवक्ता के मकान में चोरी करने का प्रयास किया गया. लेकिन चोरों को यहां कोई सफलता नहीं मिली. जानकारी के मुताबिक व्यवसायी संजय कुमार भगत अपना पैतृक घर अमड़ापाड़ा परिजनों के साथ गये थे और सरला कॉलोनी स्थित मकान में कोई नहीं था. जबकि पुलिस जवान निसार अहमत एसपी आवास पर ड्यूटी में थे.

इस मामले में नगर थाना की पुलिस अवर निरीक्षक सुरेंद्र कुमार मोची ने बताया कि एक मकान में चोरी की सूचना थाने में मिली थी और पुलिस मामले की जांच कर रही है. उन्होंने बताया कि जिस मकान में चोरी की घटना घटी है, उसको लेकर थाने में कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है. इधर पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं.

पलामू में सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, एफआईआर दर्ज

पलामू, एजेंसी। पलामू में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट लिखा गया है. मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से पलामू के पाटन थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. आवेदन मिलने के बाद पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है.

दरअसल, राज्य में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग में कथित धांधली के खिलाफ छात्रों का आंदोलन चल रहा है. इस बीच पलामू में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ अमर्यादित पोस्ट फेसबुक के एक पेज पर लिखी गई थी. इसके बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने पूरे मामले में संज्ञान लिया था. झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने पलामू के पाटन थाना में सोशल मीडिया पर अमर्यादित पोस्ट करने वाले विजय विश्वकर्मा के खिलाफ आवेदन दिया था.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष उमा शंकर सिंह और सचिव रंजीत सिंह ने आवेदन दिया है. आवेदन में अमर्यादित पोस्ट करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया था. पुलिस ने आवेदन के आधार पर विजय विश्वकर्मा नामक व्यक्ति के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिक दर्ज कर पूरे मामले में अनुसंधान शुरू कर दी है.

इस संबंध में सदर एसडीपीओ राजेश यादव ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस पूरे मामले में आगे की अनुसंधान कर रही है. दरअसल, सोशल मीडिया पर सीएम के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की गई थी और गाली लिखी गई थी.

गढ़वा में वज्रपात की चपेट में आए तीन लोग, दो की मौत

गढ़वा, एजेंसी। सदर थाना क्षेत्र के बलीगढ़ गांव में मंगलवार को हल्की बारिश के दौरान हुए वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया. घटना के बाद लोगों ने तीनों को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल ले गए. जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दो लोगों को मृत घोषित कर दिया. वहीं, घायल का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है.

मृतकों में बलीगढ़ गांव निवासी मजीद खान के पुत्र आशिक खान (50) और कमसी भुइयां के पुत्र राजू भुइयां (38) शामिल हैं. वहीं, मजीद खान के पुत्र वशी खान (55) घायल हुए हैं. घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि तीनों अपने घर से दूर चेरी पोखर में बकरी चराने गए थे. इसी दौरान शाम में हल्की बारिश शुरू हो गई.

सदर अस्पताल में आयोजित विशेष दंत चिकित्सा शिविर का दूसरा दिन: 122 बच्चों का हुआ नि:शुल्क इलाज

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। जिला प्रशासन, धनबाद के सौजन्य से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के तहत सदर अस्पताल में आयोजित 0 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए विशेष दंत चिकित्सा शिविर के दूसरे दिन भी बच्चों का सफल उपचार जारी रहा। शिविर के दूसरे दिन (12 अगस्त 2026) कुल 122 बच्चों का विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क दंत इलाज एवं परामर्श किया गया।

12 अगस्त को प्रदान की गई प्रमुख दंत चिकित्सा सेवाएं:

* फिलिंग (दांत भरना): 41 बच्चे
* ओरल हेल्थ एजुकेशन एवं काउंसलिंग: 25 बच्चे 1स्केलिंग (दांतों की सफाई): 12 बच्चे **2** फ्लोराइड वार्निश: 12 बच्चे**3** एक्सट्रैक्शन (दांत निकालना): 11 बच्चे **4** ट कैनाल थेरेपी (RCT)Ñ 05 बच्चेउपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देशानुसार शिविर

में उपचार कराने आए सभी बच्चों के बीच ओरल हेल्थ किट का वितरण भी किया जा रहा है, ताकि बच्चे अपनी मौखिक स्वच्छता (Oral Hygiene) के प्रति जागरूक रहें।

विभिन्न गंभीर रोगों के लिए भी परामर्श एवं उपचार जारी:-11 अगस्त से शुरू हुए इस विशेष स्वास्थ्य अभियान के तहत सदर अस्पताल में दंत रोग के अतिरिक्त क्लब फुट, ऑर्थोपेडिक समस्याएं, त्वचा रोग, बाल रोग, स्त्री एवं प्रसूति परामर्श, नेत्र रोग, कान-नाक-गला (ENT) तथा न्यूरोसर्जरी जैसी समस्याओं के लिए विशेषज्ञों द्वारा जांच, परामर्श एवं उपचार पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है।24 अगस्त को कटे होंठ एवं तालु (Cleft Lip & Palate) का विशेष शिविर:उल्लेखनीय है कि आगामी 24 अगस्त 2026 को कटे होंठ एवं तालु (Cleft Lip & Palate) से पीड़ित बच्चों के लिए एक समर्पित विशेष जांच एवं उपचार शिविर आयोजित किया जाएगा।जिला प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस जन-कल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और चिन्हित बच्चों को सदर अस्पताल, धनबाद लाएं।

11वीं से 13वीं जेपीएससी मुख्य परीक्षा के रिजल्ट पर फिर उठे सवाल, हाईकोर्ट ने 342 नियुक्त अभ्यर्थियों से मांगा जवाब

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में 11वीं से 13वीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग को लेकर दाखिल अपील पर सोमवार को सुनवाई हुई. चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले में परीक्षा में सफल होकर नियुक्त हो चुके 342 अभ्यर्थियों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी.
याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शुभाशीष सोरेन ने कोर्ट को बताया कि 11वीं से 13वीं जेपीएससी मुख्य परीक्षा की कॉपियों की जांच में निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया. उनका आरोप है कि नियमानुसार कॉपियों की जांच के लिए न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले परीक्षक होने चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया.
अधिवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि ऑन-स्क्रीन मार्किंग की प्रक्रिया में भी नियमों का उल्लंघन हुआ है.
याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से मुख्य परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग की गई है.
सुनवाई के दौरान कोर्ट ने परीक्षा में सफल होकर नियुक्त किए जा चुके 342 अभ्यर्थियों को मामले में पक्षकार बनाते हुए उन्हें जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया.
दरअसल, इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति हो चुकी है और वे वर्तमान में सेवा में हैं. ऐसे में हाईकोर्ट ने मामले में उनका पक्ष जानना जरूरी समझा.
वहीं, जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने आयोग का पक्ष रखा. उन्होंने कहा कि 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा की नियुक्ति प्रक्रिया वर्ष 2024 में ही पूरी हो चुकी है और सभी चयनित अभ्यर्थी वर्तमान में सेवा में हैं. ऐसे में अब पूरी हो चुकी नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देना उचित नहीं है.
गौरतलब है कि अक्टूबर 2025 में जस्टिस दीपक रोशन की एकलपीठ ने 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मुख्य परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग वाली रिट याचिका खारिज कर दी थी. इसी आदेश के खिलाफ अब अपील दाखिल की गई है.

15वें वित्त आयोग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

साहिबगंज। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला परिषद, प्रखंडवार पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विरुद्ध किए जा रहे व्यय एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा राशि के व्यय की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने आगामी जी.पी.डी.पी. (GPDP) के तहत चयनित योजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन में sLWM (ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन) को प्राथमिकता देने तथा योजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रविष्टियों एवं प्रगति की जानकारी को ससमय पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया।

बाढ़ में थम जाती है 360 बच्चों की पढ़ाई, जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचते हैं छात्र-शिक्षक

गढ़वा, एजेंसी। जिले में बरसात के दिनों में 360 बच्चों की पढ़ाई थम जाती है. बच्चे जान जोखिम में डालकर भविष्य संवारने को मजबूर हैं, क्योंकि इन बच्चों को नदी पार करके स्कूल जाना पड़ता है. रंका प्रखंड के सिरोईकला उत्क्रमित उच्च विद्यालय के करीब 360 छात्र-छात्राएं और शिक्षक हर दिन इसी परेशानी से जूझते हैं. बरसात में जब नदी उफान पर आती है तो कई दिनों तक बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो जाती है.

वर्ष 2015 में उत्क्रमित मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय का दर्जा मिला था. वर्तमान में यहां करीब 360 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं. लेकिन विद्यालय तक पहुंचने का सुरक्षित रास्ता आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया है. छात्र-छात्राओं ने बताया कि स्कूल पहुंचने के लिए उन्हें नदी पार करनी पड़ती है. बरसात के दिनों में नदी में जलस्तर बढ़ने से कई दिनों तक स्कूल जाना बंद करना पड़ता है. कई बार बाढ़ का पानी अधिक होने पर वे स्कूल पहुंचे बिना ही वापस लौट जाते हैं. नदी पार करते समय स्कूल ड्रेस भी भीग जाती है और हमेशा किसी अनहोनी का डर बना रहता है.

विद्यालय के शिक्षक गोपाल ने बताया कि कई वर्षों से इस समस्या के समाधान के लिए विभाग को कई बार लिखित आवेदन दिया गया. लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. शिक्षकों ने बताया कि वे भी बच्चों की तरह नदी पार कर विद्यालय पहुंचते हैं. कई बार कपड़े उतारकर नदी पार करनी पड़ती है. विद्यालय के नदी किनारे स्थित होने के कारण छोटे बच्चों पर विशेष नजर रखनी पड़ती है, ताकि कोई बच्चा नदी की ओर न चला जाए. ग्रामीणों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सरकार से जल्द नदी पर पुल बनवाने की मांग की है.

डिबडीह में पानी भरने की खबर मिलते ही पहुंचीं मेयर

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। बारिश के बाद डिबडीह इलाके में जलजमाव की समस्या सामने आते ही रांची नगर निगम की मेयर रोशनी खलखो खुद मौके पर पहुंच गईं। महापौर ने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ प्रभावित इलाके का जायजा लिया। सड़क और आसपास के हिस्सों में जमा पानी की स्थिति देखने के बाद उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिया कि लोगों को जलजमाव से जल्द राहत मिलनी चाहिए।

सूचना मिली तो मौके पर पहुंचीं महापौर, अधिकारियों को दिए निर्देश-डिबडीह में जलजमाव की सूचना मिलने के बाद महापौर ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके की स्थिति देखी। उन्होंने यह समझने की कोशिश की कि पानी कहां से जमा हो रहा है और उसकी निकासी में किस तरह की दिक्कत आ रही है। निरीक्षण के दौरान निगम के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।महापौर ने कहा कि बारिश के दौरान जिन इलाकों में पानी जमा हो रहा है, वहां सिर्फ समस्या देखने तक काम नहीं चलेगा। पानी की निकासी के लिए

तत्काल व्यवस्था करनी होगी। इसके बाद निगम की टीम को मौके पर सक्रिय कर दिया गया।

आदेश मिलते ही नालियों की सफाई, पानी निकालने का काम शुरू-महापौर के निर्देश के बाद नगर निगम की टीम ने डिबडीह इलाके में नालियों की सफाई का काम शुरू कर दिया। जहां पानी जमा था, वहां जलनिकासी की व्यवस्था की गई। निगम कर्मियों ने मौके पर जरूरी काम शुरू कर लोगों को राहत देने की कोशिश की।निगम की टीम यह भी देख रही है कि पानी की निकासी में कहीं नालियों में गंदगी या कचरे की वजह से रुकावट तो नहीं है। जरूरत के मुताबिक नालियों की सफाई कर पानी के बहाव को बेहतर करने का काम किया जा रहा है। निगम कर्मियों को जलजमाव वाले स्थानों पर लगातार नजर रखने को कहा गया है।

जहां पानी जमा, वहां पहुंचेगी निगम की टीम-रांची नगर निगम की ओर से कहा गया है कि जलजमाव वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां जरूरी काम कराया जा रहा है। नालियों की सफाई से लेकर पानी की निकासी तक की व्यवस्था जरूरत के हिसाब से की जा रही है। बारिश के दौरान जिन जगहों पर बार-बार पानी भरने की शिकायत मिलती है, उन स्थानों पर भी निगम की टीम नजर रख रही है। डिबडीह में महापौर के मौके पर पहुंचने और तत्काल काम शुरू कराने से साफ है कि बारिश के बीच जलजमाव की शिकायतों को लेकर निगम अब मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करने पर जोर दे रहा है। निगम कर्मियों को प्रभावित इलाकों में लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लोगों को लंबे समय तक जमा पानी के बीच परेशानी न झेलनी पड़े।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में मतदाताओं की सुविधा हेतु राज्य में 311 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी नियुक्त

नोटिस एवं क्लेम ऑब्जेक्शन का निस्तरण अवधि 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के दावा एवं आपत्ति चरण में नोटिस, सुनवाई तथा संबंधित मामलों का 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। जिलों से प्राप्त प्रस्तावों को भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन हेतु भेजा गया था, जिसे आयोग द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा मतदाताओं को इन पदाधिकारियों की नियुक्ति से दावा एवं आपत्ति अवधि में प्राप्त आवेदनों, नो-मैप मतदाताओं, तार्किक विसंगतियों तथा अन्य संबंधित मामलों में नोटिस निर्गत करने, सुनवाई करने, दस्तावेजों का सत्यापन करने और मामलों के पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन में सुविधा एवं तेजी लाई जा सकेगी। मतदाता सूची में विसंगतियों, नो-मैप एवं अन्य त्रुटियों को सुधारने हेतु 24 अगस्त से सुनवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया कि उक्त नियुक्तियां विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहेंगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि उक्त अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एसआईआर के क्रम में अपने संबंधित मतदान केंद्र के एक परिवार के मतदाताओं का एक साथ एक मतदान केंद्र पर रखना, घर घर होम टू रोल, एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से छुटे नहीं एवं एक भी विदेशी नागरिक मतदाता सूची में नहीं जुड़े इस हेतु भी कार्य करेंगे।

14 दिन की पूछताछ के बाद मिसिर बेसरा समेत 3 इनामी नक्सली भेजे गए जेल

धनबाद, एजेंसी। भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य और 2.20 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा उर्फ सागर समेत तीन हार्डकोर नक्सलियों की पुलिस रिमांड बुधवार को खत्म हो गई. रिमांड पूरी होने के बाद तीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच धनबाद लाया गया. सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया.

31 जुलाई को पुलिस रिमांड मिलने के बाद तीनों नक्सलियों को रांची ले जाया गया था. जहां ह्द्व, ढ्ढक्क और झारखंड पुलिस की टीमों ने उनसे पूछताछ की. पूछताछ के दौरान माओवादी संगठन की गतिविधियों, आर्थिक मदद के स्रोत, हथियारों की सप्लाई और संगठन से जुड़े सहयोगियों को लेकर जानकारी जुटाई गई. एजेंसियों ने नक्सली नेटवर्क की कई अहम कड़ियों को खंगाला.

जेल भेजे गए नक्सलियों में मिसिर बेसरा के अलावा 15 लाख रुपये का इनामी मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण और गौरव उर्फ वीरेंद्र हांसदा उर्फ सौरभ शामिल है.

संक्षिप्त समाचार

धनबाद के भटिंडा फॉल में हादसा: चाचा-भतीजा की डूबने से मौत

धनबाद, एजेसी। जिला में पुटकी थाना क्षेत्र स्थित भटिंडा फॉल में मंगलवार को उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब जन्मदिन मनाने पहुंचे एक परिवार पर अचानक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. पानी में डूबने से चाचा और भतीजे की जान चली गई.

हादसे को लेकर बताया जा रहा है कि भतीजे को डूबता देख चाचा उसे बचाने के लिए पानी में उतर गए लेकिन तेज बहाव के कारण दोनों गहरे पानी में समा गए. हादसे में तीन अन्य लोगों को गोताखोरों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे जोगता थाना क्षेत्र के मोदीडीह नंबर सात निवासी 38 वर्षीय प्रजीत कुमार पांडेय अपने 14 वर्षीय भतीजे आयुष पांडेय और उसके तीन दोस्तों के साथ भटिंडा फॉल पहुंचे. आयुष का जन्मदिन मनाने के लिए परिवार ने यहां आने का कार्यक्रम बनाया था.

इसी दौरान आयुष पानी के किनारे फोटो लेने पहुंचा. अचानक वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. भतीजे को मुश्किल में देख प्रजीत कुमार पांडेय ने उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी. लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण दोनों संभल नहीं सके और देखते ही देखते गहरे पानी में डूब गए.

इस हादसे की खबर मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय गोताखोरों को बुलाया गया, विश्वनाथ बाउरी, मुकेश महतो, लालू महतो, बाबली बाउरी और सुबोध महतो ने पानी में उतरकर तलाश शुरू की. करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी.

मूनीडीह थाना प्रभारी मनीता कुमारी ने बताया कि भटिंडा फॉल में कुल पांच लोग पानी में डूबे थे. गोताखोरों की तत्परता से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि दो लोगों की मौत हो गई. मृतक आपस में चाचा-भतीजा थे.

15 अगस्त को झारखंड दौरे पर रांची पहुंचेंगे कांग्रेस प्रभारी के. राजू, 4 लोकसभा क्षेत्रों की लेंगे समीक्षा बैठक

रांची, एजेसी। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू पांच दिवसीय दौरे पर 15 अगस्त को रांची पहुंच रहे हैं. इस दौरान वे 4 संसदीय क्षेत्रों के नेताओं के साथ पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा बैठक करेंगे. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने यह जानकारी दी.

किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि कांग्रेस प्रभारी 16 अगस्त को धनबाद संसदीय क्षेत्र के पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे. 17 अगस्त को वे लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के नेताओं से मिलेंगे. इसी दिन शाम में वे रांची स्थित होटल बीएनआर में झारखंड प्रोफेशनल कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक में भी शामिल होंगे. 18 अगस्त को उनका कार्यक्रम हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नेताओं के साथ बैठक का है.

बैठकों में संबंधित संसदीय क्षेत्र की संगठनात्मक स्थिति और पार्टी गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी. बैठक में संसदीय प्रभारी, सह-प्रभारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष, प्रदेश सचिव के साथ ब्लॉक अध्यक्ष और एसआइआर प्रशिक्षक मौजूद रहेंगे. इसके अलावा संबंधित संसदीय क्षेत्र के वर्तमान और पूर्व सांसद, विधायक तथा चुनाव लड़ चुके उम्मीदवार भी बैठक में शामिल होंगे. बैठक के बाद प्रभारी रांची लौटकर जाति विश्राम स्टेट गेस्ट हाउस में ठहरेंगे. प्रभारी के. राजू 19 अगस्त को रांची से हैदराबाद के लिए प्रस्थान करेंगे.

70 लाख में अफसर बनाने का खेल, सदस्यों और चेयरमैन पर लगा इंटरव्यू सेटिंग का आरोप

रांची, एजेसी। जेपीएससी परीक्षा घोटाले की जांच में महत्वपूर्ण मोड़ सामने आया है. आरोपी अभय तिवारी ने सीआईडी को दिये अपने बयान में जेपीएससी के तीन सदस्यों अजीता भट्टाचार्य, जमाल अहमद और अनीमा हांसदा की कथित भूमिका को लेकर कई चौंकानेवाले खुलासे किये हैं. अभय ने बताया है कि उसने जेपीएससी की परीक्षा लेनेवाली कंपनी टीडीपीएल के निदेशक रामवीर सिंह के माध्यम से उन सदस्यों तक अभ्यर्थियों की पैरवी कराई. अभय तिवारी ने आगे बताया कि जेपीएससी 11वीं से 13वीं सिविल सेवा पीटी का कथित रेट सामान्य वर्ग के लिए पांच लाख और एसटी-एससी के लिए दो-तीन लाख रुपये था, जबकि अंतिम परिणाम तक का रेट प्रति अभ्यर्थी 60 से 70 लाख रुपये बताया गया है. अभय तिवारी के मुताबिक, 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में जमाल अहमद, अजीता भट्टाचार्य और अनीमा हांसदा के साथ-साथ जेपीएससी चेयरमैन से संपर्क कर उसके द्वारा आदित्य पांडेय नामक व्यक्ति से संपर्क कर अभ्यर्थी उपलब्ध कराये गये. उन अभ्यर्थियों को आदित्य पांडेय ने अजीता भट्टाचार्य के पीए ब्रजराम, टीडीपीएल के निदेशक रामवीर सिंह, जमाल अहमद, अनीमा हांसदा और चेयरमैन एल खियांग्ते तक पहुंचाया.

18 साल से कम उम्र के बच्चों का इलाज और सर्जरी मुफ्त, आरबीएसके विशेष कैंप में स्क्रीनिंग कराने की अपील

धनबाद, एजेंसी। सदर अस्पताल में बच्चों के इलाज को लेकर बड़ी पहल शुरू की गई है. 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में जन्मजात बीमारी, हृदय रोग, आंख, कान, हाथ-पैर और दांत से जुड़ी गंभीर समस्याओं का इलाज अब मुफ्त कराया जाएगा. इसके लिए 11 से 22 अगस्त तक सदर अस्पताल में विशेष स्वास्थ्य कैंप लगाया गया है. जिनका इलाज सदर अस्पताल में संभव नहीं है, उनकी बाहर के अस्पताल में सर्जरी कराई जाएगी.

खास बात यह है कि पिछले तीन से चार महीनों में स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में करीब 700 बच्चों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है. इन बच्चों को अब चरणबद्ध तरीके से इलाज और जरूरत पड़ने पर सर्जरी की सुविधा दी जाएगी. बुधवार को धनबाद सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कई नई सुविधाओं की शुरुआत की गई.

उपायुक्त आदित्य रंजन और उप विकास आयुक्त सनी राज ने मॉड्यूलर आयुष्मान वार्ड, पार्किंग शेड और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम यानी आरकेएससी के विशेष जांच शिविर का उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद अधिकारियों ने अस्पताल का निरीक्षण किया और रजिस्ट्रेशन काउंटर समेत मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया.

कैंप के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चों की गंभीर बीमारियों की पहचान कर उन्हें इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है. जन्मजात बीमारी से लेकर हृदय, आंख, कान, हाथ-पैर और दांत से संबंधित समस्याओं का इलाज और सर्जरी पूरी तरह मुफ्त होगी. पिछले तीन से चार महीने के दौरान जिले के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में करीब 700 बच्चों की जांच की जा चुकी है. अब इन बच्चों को बीमारी के आधार पर अलग-अलग चरण में उपचार उपलब्ध कराया जाएगा.

प्रशासन की कोशिश है कि अधिकतर सर्जरी सदर अस्पताल में ही कराई जाए, ताकि बच्चों और उनके परिजनों को इलाज के लिए दूसरे शहरों की ओर न जाना पड़े. बच्चों के इलाज की निगरानी भी डिजिटल तरीके से की जाएगी. सॉफ्टवेयर के जरिए हर बच्चे की उपचार प्रक्रिया को ट्रैक किया जा रहा है. बच्चे के पूरी तरह स्वस्थ होने तक उसकी जानकारी सिस्टम में दर्ज रहेगी.

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि पिछले एक साल में सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है. प्रशासन का लक्ष्य है कि सदर अस्पताल के साथ-साथ जिले के सीएचसी और पीएचसी में भी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने जिलेवासियों से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा करने और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की. यानी धनबाद के बच्चों के लिए इलाज की राह अब और आसान होगी. स्क्रीनिंग से लेकर गंभीर बीमारी के इलाज और सर्जरी तक की सुविधा मुफ्त मिलने से जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है.

रांची में छात्र आंदोलन 18वें दिन भी जारी, भूख हड़ताल के बीच लड़की की तबीयत बिगड़ी

रांची, एजेसी। राजधानी रांची में जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच समेत विभिन्न मांगों को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को 18वें दिन भी जारी रहा. आंदोलन के बीच भूख हड़ताल पर बैठे लोगों की बिगड़ती सेहत ने चिंता बढ़ा दी है. मंगलवार शाम आंदोलन स्थल पर भूख हड़ताल कर रही एक छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ गई. इसके बाद उन्हें तत्काल सदर अस्पताल भेजा गया.

जानकारी के अनुसार छात्रा पिछले करीब आठ दिन से भूख हड़ताल पर बैठी थीं. मंगलवार शाम अचानक उन्हें तेज पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई. हालत बिगड़ने की सूचना मिलते ही आंदोलन स्थल पर मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की.

सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उनकी जांच की और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए भर्ती कर चिकित्सकीय निगरानी में रखने की सलाह दी. लंबे समय से भोजन नहीं करने के कारण महिला की सेहत पर असर पड़ने की बात चिकित्सकों की ओर से बताई गई. हालांकि, उनकी आगे की स्वास्थ्य स्थिति अस्पताल में चिकित्सकीय जांच और निगरानी के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी.

छात्रा की तबीयत बिगड़ने के बाद जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे आंदोलन में मौजूद अन्य भूख हड़तालियों के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. पिछले 18 दिन से बड़ी संख्या में छात्र अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. इनमें कुछ छात्र लगातार भूख हड़ताल पर हैं.

आंदोलनकारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं. उनका दावा है कि मांगों पर ठोस और संतोषजनक पहल होने तक आंदोलन जारी रहेगा. वहीं, लगातार चल रही भूख हड़ताल के बीच आंदोलन स्थल पर स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रदर्शनकारियों की नियमित चिकित्सकीय निगरानी का मुद्दा भी अहम हो गया है.

मंगलवार की घटना के बाद आंदोलन स्थल पर मौजूद छात्रों और समर्थकों के बीच महिला के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रही. आंदोलनकारियों का कहना है कि सरकार को उनकी मांगों पर जल्द निर्णय लेना चाहिए, ताकि आंदोलन को लेकर बनी स्थिति का समाधान निकाला जा सके.

फिलहाल महिला को सदर अस्पताल में चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया है, जबकि जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का आंदोलन 18वें दिन भी जारी है.

असम बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया जीईएल चर्च, राहत और पुनर्वास के लिए भेजी जा रही राशि

रांची, एजेसी। असम में आयी विनाशकारी बाढ़ से कई क्षेत्रों में भारी तबाही हुई है. बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में लोगों के घर बर्बाद हो गए हैं और उनके सामने खाने-पीने के साथ रहने का भी संकट खड़ा हो गया है. संकट की इस घड़ी में जीइएल चर्च रांची असम के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया है. चर्च की ओर से पीड़ितों के लिए चंदे के माध्यम से राशि एकत्र कर असम भेजी जा रही है.

कुछ दिन पहले चर्च के सदस्य धीरज लकड़ा को असम भेजा गया था. उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया और चर्च की ओर से चलाए जा रहे राहत कार्यों की जानकारी ली. जिन लोगों के घर बाढ़ में पूरी तरह तबाह हो गए हैं, उन्हें जीइएल चर्च की ओर से असम में शरण दी गई है.

17 और 18 अगस्त को जीइएल चर्च के प्रमुख मॉडरेटर बिशप मार्शल केरकेट्टा और महासचिव ईश्वर दत्त कंडुलना असम के दौरे पर रहेंगे. इस दौरान दोनों अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास कार्यों का जायजा लेंगे तथा राहत सामग्री का वितरण करेंगे. महासचिव ईश्वर दत्त कंडुलना ने बताया कि दौरे के दौरान प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए आगे की योजना पर भी विचार किया जाएगा.

जीइएल चर्च के नार्थ ईस्ट डायसिस के बिशप दीपक केरकेट्टा ने सात अगस्त को पत्र लिखकर रांची स्थित चर्च के हेडक्वार्टर से राहत कार्यों में सहयोग का अनुरोध किया था. उन्होंने पत्र में बताया था कि जीइएल चर्च की ओर से राहत कार्यों के लिए सहयोग राशि मिल रही है. उन्होंने कहा था कि चर्च की कोशिश है कि बाढ़ से प्रभावित हर परिवार तक मदद पहुंचायी जाए. प्राप्त राशि का उपयोग पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है.

पलामू के पड़वा में नाला बंद होने की वजह से घरों में घुसा बारिश का पानी, लोग परेशान

पलामू, एजेसी। जिला के पड़वा में एनएच-139 पर मौजूद बंद नाले की वजह से बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस गया. जिससे लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है.

दरअसल, कुछ ग्रामीणों ने नाला को बंद कर दिया. नाला बंद होने की वजह से नेशनल हाईवे के आसपास मौजूद कई घरों और दुकानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है. स्थानीय लोगों ने पलामू जिला प्रशासन से नाला खुलवाने की मांग को लेकर गुहार लगाई थी. जिसके बाद मंगलवार को स्थानीय अंचल कार्यालय और पुलिस की मदद से नाला खोला गया.

दरअसल, पड़वा में नेशनल हाईवे 139 पर करीब 50 साल से भी अधिक पुराना नाला मौजूद है. इस नाला से 12 के करीब गांव का पानी गुजरता है. फिलहाल इलाके में नेशनल हाईवे 139 का फोरलेन का कार्य चल रहा है. जिस जगह पर नाला मौजूद है, वहां से नेशनल हाईवे डाइवर्ट हो रहा है. नए डिजाइन में भी नाला को लेकर जगह नहीं मिली है. जिस वजह से नाला की दूसरे साइड के लोगों ने पक्का दीवार खड़ी करके नाला को बंद कर दिया. नाला बंद होने के बाद दूसरी तरफ मौजूद घरों में पानी घुसने लगा.

पड़वा निवासी नंदकुमार मेहता ने बताया कि उनके घर और दुकान में पानी घुस गया है, जिस कारण उन्हें भारी नुकसान हुआ है. इधर, रवि मेहता ने बताया कि उनके घर में पानी घुस गया है, मजबूरी में उनके परिवार के सदस्य ऊपरी तल में रह रहे हैं और घर के नीचे वाले हिस्से में कीमती सामान पानी में डूब गया. वहीं स्थानीय चंद्रशेखर महतो ने बताया कि वह शॉल की फैक्ट्री का संचालन करते हैं, उनकी कीमती मशीन पानी में डूब गई. पड़वा के ही मनोज विश्वकर्मा ने बताया कि नाला करीब 50 साल पुराना है.

आजसू विधायक निर्मल महतो ने जमीन पर लेटकर छात्रों पर बर्बरतापूर्ण कार्रवाई का जताया विरोध

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन आजसू विधायक निर्मल महतो ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया. जेपीएससी-जेएसएससी के मुद्दे पर विधायक निर्मल महतो विधानसभा पोर्टिको में लेटकर सरकार के विरोध में आंदोलन करते नजर आए.इस दौरान विधायक ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की.

विधायक निर्मल महतो का कहना था कि सरकार ने छात्रों पर बर्बरतापूर्ण ढंग से लाठीचार्ज कर आंदोलन को कुचलने की कोशिश की है. उन्होंने मंत्री इरफान अंसारी और मंत्री संजय प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में एक बांग्लादेशी को मंत्री बनाया गया है और एक बिहार राज्य के निवासी को मंत्री बनाया गया है. ऐसे झारखंड की परिकल्पना हम लोगों ने नहीं की थी.

आजसू विधायक निर्मल महतो ने मंत्री इरफान अंसारी को बांग्लादेशी बताते हुए कहा कि सरकार ने बांग्लादेशी के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया है. हम भी अपना टोल फ्री नंबर जारी करते हैं और शोरूम से नई गाड़ी चंदा कर के खरीद कर बांग्लादेशी और बिहार के दोनों मंत्रियों को झारखंड से बाहर भेजने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि मेरा टोल फ्री नंबर 9431991414 है. जब भी चाहिए गाड़ी इनको बिहार और बंग्लादेश भेजने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि यह झारखंड यहां के लोगों के खून-पसीना से बना है और एक-एक लोगों के योगदान से बना है. राजधानी को सजाने का काम आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो और प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने किया था.

झारखंड में हाथियों की ब्रिगेड, रेस्क्यू में वन कर्मियों की करती है मदद, शामिल हैं चार सदस्य

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में जब कोई जंगली हाथी जख्मी हो जाता है, तो उसकी मदद के लिए एक खास ब्रिगेड निकल पड़ती है. खास बात यह है कि ये ब्रिगेड हाथियों की ही है. जो जंगली हाथियों तक पहुंचते हैं और उनके इलाज में वन कर्मियों की मदद करती है.

पलामू टाइगर रिजर्व में हाथियों की इस टीम के पीछे एक अनोखी कहानी है. इन हाथियों का इस्तेमाल कभी इलाके में जंगल सफारी के लिए किया जाता था, लेकिन बाद में हाथियों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई. फिर इन्हीं सफारी वाले हाथियों से यह ब्रिगेड बनाई गई.

इस टीम में चार पालतू हाथी हैं: जूही सबसे बड़ी है, उसके बाद सीता और उसका बेटा मुर्गेश हैं, जबकि राखी सबसे छोटी है. हाल ही में इस ब्रिगेड ने जख्मी जंगली हाथी 'भल्ला' का सफल रेस्क्यू और इलाज किया.

जूही -1981 में बिहार के सीतामढ़ी से खरीदी गई और बेतला नेशनल पार्क लाई गई. तब वह करीब 25 वर्ष की थी. 2023 में झारखंड में आयोजित महिला हॉकी एशियाई चैंपियनशिप की वह शुभंकर बनी थी. लालू प्रसाद यादव और ज्योति बसु समेत कई बड़ी हस्तियों ने कभी जूही पर सफारी की थी.

राखी - सबसे मार्मिक कहानी राखी की है. 2012-13 में रक्षाबंधन के आसपास बारेसाढ़ इलाके में वज्रपात से उसकी मां की मौत हो गई. मात्र छह महीने की उम्र में वन अधिकारियों ने उसे रेस्क्यू किया और बेतला लाए. शुरू में अन्य पालतू हाथी उसे स्वीकार नहीं कर रहे थे, लेकिन उसकी मासूमियत और व्यवहार ने सबको जीत लिया. आज वह ब्रिगेड की महत्वपूर्ण सदस्य है.

'पलामू टाइगर रिजर्व में चार पालतू हाथियों की यह ब्रिगेड हाल में भल्ला के सफल रेस्क्यू में शामिल रहा. इनके लिए डाइट चार्ट और रूटिंग तैयार किया गया है. इन्हें जंगल की गतिविधियों में शामिल कर ट्रेनिंग दी जाती है.

स्वतंत्रता दिवस पर झारखंड पुलिस के जांबाजों का होगा सम्मान, 29 अधिकारी-कर्मियों को मिलेंगे पदक

रांची, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस झारखंड पुलिस के लिए इस बार भी गौरव का अवसर लेकर आ रहा है. 15 अगस्त 2026 को राज्य के उन पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपनी वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा के जरिए पुलिस विभाग का गौरव बढ़ाया है. पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी सूची में कुल 29 अधिकारी-कर्मियों के नाम शामिल हैं. इनमें राष्ट्रपति पदक, वीरता पदक और सराहनीय सेवा पदक पाने वाले पुलिसकर्मी शामिल हैं.

विशिष्ट सेवा के लिए दिए जाने वाले राष्ट्रपति पदक के लिए अवर निरीक्षक कैलाश प्रसाद श्रेष्ठ का चयन किया गया है. वर्तमान में वह झारखंड सशस्त्र पुलिस बल-1, रांची में पदस्थ हैं. उन्हें यह सम्मान विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाएगा. वीरता के लिए पदक पाने वालों में लातेहार और जामताड़ा में तैनात पांच पुलिसकर्मी शामिल हैं. इनमें विनय कुमार, प्रमोद कुमार राय, आरक्षी/175 पेद

प्रकाश महतो, रामचन्द्र कुमार महतो और आरक्षी कृष्णा मुर्मू के नाम शामिल हैं. सबसे अधिक संख्या सराहनीय सेवा पदक पाने वालों की है. इस श्रेणी में 23 पुलिस अधिकारी-कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा. इनमें पुलिस महानिरीक्षक स्तर से लेकर पुलिसकर्मी तक शामिल हैं. सराहनीय सेवा पदक पाने वालों में आईपीएस डॉ माइकलराज एस, आईपीएस अन्नपू विजायलक्ष्मी, आईपीएस अनुरंजन किस्पोट्टा शामिल है. इसके अलावा नीरज कुमार, अरुण कुमार, अरविंद कुमार पालित, वाशिष्ट कुंवर, संजय कुमार झा, विजय कुमार, मो इरफान, द्वारका मंडल, मानती खलखो, प्रभा देवी, मनोज कुमार राय, असीत कुमार मोदी, दीपक मुंडा, महेंद्र महतो, हवलदार विजय थापा, रंजिता कुजूर, विदेशी मांझी, अजय कुमार दुबे, पूजा अंडा और दीपक कुमार सिंह शामिल हैं. ये अफसर और कर्मी पुलिस मुख्यालय, एटीएस, एसटीएफ, विशेष शाखा, अपराध अनुसंधान विभाग, झारखंड सशस्त्र पुलिस बल, संचार एवं तकनीकी सेवाएं तथा रांची, गढ़वा, चतरा, गुमला और अन्य स्थानों पर तैनात हैं. पुलिस मुख्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पदक प्राप्त करने वाले अधिकारी और कर्मी 13 अगस्त 2026 की अपराह्न तक वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के समक्ष रिपोर्ट करें. यदि किसी अधिकारी या कर्मी का इस बीच स्थानांतरण या पदस्थापन हो गया है, तो संबंधित वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक या नियंत्रक पदाधिकारी को इसकी सूचना पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है.

झारखंड में स्वास्थ्य सेवा का नया मॉडल तैयार, अब कॉल करते ही 15 मिनट में घर पहुंचेगा खून

रांची, एजेसी। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर इंटेंसिफाइड एचआईवी कैंपेन-2026 के तहत बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया. सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक सेंटर में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इस शिविर का उद्घाटन किया. बता दें, सेफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन के महत्व को देखते हुए राज्यभर में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. वहीं इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए.

मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार इससे भी बेहतर व्यवस्था लागू करने जा रही है. इसके तहत टोल फ्री नंबर पर फोन करने के बाद 15 मिनट के अंदर खून जरूरतमंद के घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी. इसके लिए तेजी से काम किया जा रहा है और अगले एक महीने के अंदर यह व्यवस्था शुरू हो जाएगी. उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री युवा हैं, इसलिए युवाओं के प्रति हमेशा सकारात्मक सोच रखते हैं. सरायकेला और साहिबगंज जैसे जिले एचआईवी संक्रमण के मामले में ज्यादा प्रभावित हैं, लेकिन वहां बेहतर प्रगति हुई है. उन्होंने खास तौर पर चाईबासा का जिक्र करते हुए वहां हुई चूक को स्वीकार किया. कार्यक्रम में उन्होंने राज्य के नौ जिलों को गोद लेकर उन्हें संक्रमणमुक्त करने के लिए जरूरी निर्देश भी दिए. स्वास्थ्य मंत्री ने रिम्स-2 की स्थापना के साथ भविष्य में स्वास्थ्य विभाग के रोडमैप की भी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि खून किसी प्रयोगशाला में नहीं बनाया जा सकता. इसलिए राज्य में अधिक से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित करने की जरूरत है. वहीं, कार्यक्रम में शामिल झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि 13 से 24 वर्ष आयु वर्ग में 19 प्रतिशत नए एचआईवी और एसटीआई मामले सामने आए हैं, जो बेहद चिंताजनक है. कार्यक्रम में अतिथियों ने जागरूकता के लिए आईईसी वैन को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. यह वैन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों और शहर के मोहल्लों में जाकर एचआईवी के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ लोगों को सही जानकारी देगी. मौके पर विधायक उमाशंकर अकेला, सिविल सर्जन डॉ अमरेंद्र प्रसाद, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ बिमलेश सिंह सहित एड्स नियंत्रण समिति और सदर अस्पताल के कर्मचारी मौजूद थे.

संक्षिप्त समाचार

पटना में फायरिंग : रामकृष्णा नगर में प्रॉपर्टी डीलर शुभम कुमार को घर के बाहर मारी गोली

पटना, एजेंसी। पटना के रामकृष्णा नगर में बाइक सवार बदमाशों ने सरेआम 24 वर्षीय युवक को गोली मार दी. गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. उसकी पहचान शुभम कुमार यादव के रूप में हुई. वह प्रॉपर्टी डीलिंग के काम से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है. घटना देर रात की है.

मामला भूपतिपुर ज्योतिष बाबा रोड के पास की है, देर रात बाइक सवार तीन बदमाशों ने घर के बाहर टहल रहे शुभम कुमार यादव पर लगातार चार गोलियां चलाई. गोली लगने के बाद शुभम मौके पर ही गिर पड़ा. वारदात के बाद तीनों बदमाश हथियार लहराते हुए बाइक से फरार हो गए.

जानकारी के अनुसार, शुभम मंगलवार की रात खाना खाने के बाद घर से बाहर टहलने निकला था. इसी दौरान अपाचे बाइक पर सवार तीन बदमाश इलाके में पहुंचे. इससे पहले कि शुभम कुछ समझ पाता, बदमाशों ने उसे निशाना बयाना और फायरिंग शुरू कर दी.

बदमाशों ने लगातार चार गोलियां चलाईं. पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. गोली लगते ही शुभम जमीन पर गिर गया. फायरिंग के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर बाइक से फरार हो चुके थे.

फायरिंग की आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को इलाज के लिए निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया. शुभम की हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना की सूचना मिलने के बाद रामकृष्ण नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी.

बिहार में अब सिर्फ 2 रुपये में इलाज और मुफ्त दवा, 598 नए हेल्थ सेंटर खुलेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार के शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है. अब मरीजों को इलाज के लिए ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने होंगे. सिर्फ 2 रुपये के पर्चे पर ओपीडी में इलाज की सुविधा मिलेगी. मोदी सरकार ने बिहार में 598 नए शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को मंजूरी दी है. इनमें 164 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 434 शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शामिल हैं. खास बात यह है कि इन केंद्रों का सबसे ज्यादा फायदा शहरी इलाकों की स्लम बस्तियों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मिलेगा. इन नए स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह मुफ्त दी जाएंगी. ओपीडी में इलाज के लिए मरीज को सिर्फ 2 रुपये का पर्चा यानी सुविधा शुल्क देना होगा. स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की सुविधा के लिए केंद्रों के संचालन का समय भी तय किया है.

बायोडाटा मेरे ऑफिस भिजवाइए' प्रशांत किशोर का बड़ा ऐलान- '10 हजार युवाओं को नौकरी देंगे'

पटना, एजेंसी। जन सुराज के सूत्रधार और बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर मंगलवार को जीत के बाद पहली बार क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचे और लोगों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने युवाओं को रोजगार देने पर बड़ा ऐलान किया.

प्रशांत किशोर का ऐलान, युवाओं को देंगे रोजगार : यारपुर राजपूताना गोपाल शरण सिंह पथ में आयोजित आभार सभा में उन्होंने युवाओं के रोजगार, शिक्षा, राशन कार्ड और पेंशन को लेकर कई घोषणाएं कीं. उन्होंने कहा कि अगले एक साल में बांकीपुर के कम से कम 10 हजार युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी दिलाने की व्यवस्था की जाएगी.

प्रशांत किशोर ने मांगा बायोडाटा : प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों को लग रहा था कि जीत के बाद वह चार-पांच दिनों से कहां घूम रहे हैं, लेकिन वह जनता के लिए काम कर रहे थे. उन्होंने युवाओं से अपना बायोडाटा जन सुराज के कार्यालय में जमा करने की अपील की. 'रोजगार के लिए दूसरे राज्य जाने की जरूरत नहीं' : उन्होंने दावा किया कि देशभर में उनके जितने भी संपर्क हैं, उनसे बिहार के युवाओं को नौकरी देने के लिए कहा गया है. ऐसे में अब बिहार में जन सुराज की व्यवस्था बनने पर युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

उन्होंने कहा कि जनता को बदलाव का एहसास तभी होगा, जब पढ़ाई और रोजगार की व्यवस्था बेहतर होगी. उन्होंने कहा कि तीन महीने का समय दिया जाए, इसके बाद राशन कार्ड बनाने के लिए कोई एक रुपए की रिश्वत नहीं ले सकेगा.

बिहार में जीविका दीदियों ने 2 दिन में बनाए 36 हजार तिरंगे, देशभक्ति संग आर्थिक सशक्तिकरण की पेश की मिसाल

मुंगेर, एजेंसी। बिहार के मुंगेर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा अभियान' को सफल बनाने के लिए जिले की जीविका दीदियां देशभक्ति के जज्बे के साथ दिन-रात जुटी हुई हैं. राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों को कपड़े में पिरोकर ये महिलाएं न सिर्फ देशभक्ति का संदेश घर-घर पहुंचाने की तैयारी कर रही हैं, बल्कि अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वावलंबन की नई मिसाल भी पेश कर रही हैं.

36 हजार से अधिक तिरंगा झंडों का निर्माण: मुंगेर जिले के सभी 9 प्रखंडों के लिए 36 हजार से अधिक तिरंगा झंडों का निर्माण किया गया है. इन तिरंगों को जिले के विभिन्न प्रखंडों में भेजा गया है, ताकि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अधिक से अधिक घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जा सके. खास बात यह है कि इन तिरंगों के निर्माण की जिम्मेदारी बड़े पैमाने पर जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं ने संभाली है.

नौ प्रखंडों के लिए हजारों तिरंगे: जीविका मुंगेर की ओर से जिले के सभी नौ प्रखंडों के लिए लगभग 4-4 हजार तिरंगा झंडे तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था. इस हिसाब से जिले के लिए 36 हजार से अधिक राष्ट्रीय ध्वज तैयार किए गए.

कटिंग, सिलाई से लेकर संभाली सभी जिम्मेदारी: गौरतलब है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य पूरा करने के लिए जीविका

समूह की महिलाएं लगातार काम करती रहीं. कपड़े की कटिंग से लेकर सिलाई, तीनों रंगों को व्यवस्थित करने, अशोक चक्र लगाने और अंतिम फिनिशिंग तक की जिम्मेदारी महिलाओं ने अपने हाथों में संभाली.

महिलाओं ने टीम बनाकर किया काम: तिरंगा निर्माण की प्रक्रिया में जीविका दीदियों ने पूरी मेहनत और बारीकी के साथ काम किया. राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और निर्धारित मानकों का ध्यान रखते हुए तिरंगे तैयार किए गए. कम समय में बड़ी संख्या में तिरंगे तैयार करने के लिए महिलाओं ने टीम बनाकर काम किया. इस पूरे कार्य ने यह भी साबित किया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को यदि उन्हें प्रशिक्षण और अवसर मिले तो बड़े स्तर के उत्पादन कार्य को भी सफलतापूर्वक पूरा कर सकती है.

प्रसंडो बना तिरंगा निर्माण का मुख्य केंद्र: हवेली खड़गपुर की प्रखंड परियोजना प्रबंधक अंजू कुमारी ने बताया कि जिले का मुख्य यूनिट डीडीएलसीसी, प्रसंडो, हवेली खड़गपुर में स्थित है. इसी यूनिट में जीविका की 60 दीदियों ने 36 हजार तिरंगा झंडों के निर्माण का काम पूरा किया. उन्होंने बताया कि यहां से तैयार किए गए तिरंगे जिले के सभी नौ प्रखंडों में 4-4 हजार की संख्या में भेजे गए, ताकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लोगों तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाया जा सके.

महिलाओं के लिए बड़ी उपलब्धि: बीपीएम ने आगे बताया कि इसके बाद दो दिनों में तैयार झंडों को संबंधित प्रखंडों के लिए भेज दिया गया. उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि ने जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं के कौशल, टीमवर्क और कार्यक्षमता को उजागर किया है. सीमित समय में इतनी बड़ी संख्या में राष्ट्रीय ध्वज तैयार करना महिलाओं के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है.

मुनाफे से मजबूत होगी स्टिचिंग यूनिट: प्रखंड परियोजना प्रबंधक अंजू कुमारी ने बताया कि प्रत्येक तिरंगा तैयार करने में लगभग 20 से 22 रुपये का खर्च आया, जबकि सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य 25 रुपये प्रति तिरंगा पर इसकी बिक्री की गई. उन्होंने बताया कि बिक्री से प्राप्त मुनाफे का उपयोग स्टिचिंग यूनिट को और मजबूत करने में किया जाएगा.

जीविका दीदियों को भी आर्थिक लाभ: अंजू कुमारी ने बताया कि इससे भविष्य में महिलाओं को और अधिक काम मिल सकेगा और जीविका दीदियों को भी आर्थिक लाभ प्राप्त होगा. इस तरह तिरंगा निर्माण केवल एक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और आय सृजन का माध्यम भी बन रहा है.

57 सिलाई मशीनों से शुरू हुआ सफर: अंजू कुमारी ने बताया कि हवेली खड़गपुर के प्रसंडो स्थित मुख्य यूनिट में शुरुआत में 60 जीविका दीदियों को 57 अत्याधुनिक स्टिचिंग मशीनों के माध्यम से प्रशिक्षण और काम से जोड़ा गया. सभी 60 महिलाओं को करीब छह महीने का प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण के बाद इस यूनिट को लगातार अलग-अलग प्रकार के कार्यों के ऑर्डर मिलने लगे. सबसे पहले यहां एससी/एसटी स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए ड्रेस तैयार किए गए.

दो दिनों में पूरा किया काम: बीपीएम अंजू कुमारी ने बताया कि बिहार सरकार के 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत घर-घर तिरंगा फहराने के उद्देश्य से 36 हजार तिरंगा तैयार करने का ऑर्डर प्राप्त हुआ था. जीविका दीदियों ने दिन-रात मेहनत कर निर्धारित समय में इस लक्ष्य को पूरा कर दिया. उन्होंने कहा कि तिरंगा निर्माण की गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जीविका दीदियों ने 36 हजार तिरंगा झंडों का निर्माण महज दो दिनों में पूरा कर दिया.

जेल जाने से पहले ही फरार, जमानत खारिज हुई तो कोर्ट से भाग निकले तीनों भाई

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी से तीन कैदी फरार हो गए हैं. ये तीनों आपस में भाई हैं, जिनको जमानत खारिज होने के बाद जेल भेजने की तैयारी चल रही थी लेकिन उसी बीच पुलिस को चकमा देकर तीनों भाग गए. तीनों आरोपियों के गायब होने से न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मधुबनीघाट का है. मुर्शी साह, हरि साह और हरेंद्र साह ने सोमवार को मोतिहारी व्यवहार न्यायालय में सरेंडर किया था. आत्मसमर्पण के साथ ही उनके अधिवक्ता की ओर से जमानत के लिए आवेदन भी दाखिल किया गया. मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई लेकिन अदालत ने तीनों आरोपियों की जमानत याचिका स्वीकार नहीं की. जमानत याचिका खारिज होने के बाद तीनों आरोपियों को जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई. इसी दौरान कस्टडी तैयार किए जाने के समय तीनों भाई सुरक्षाकर्मियों को चकमा देने में सफल रहे और न्यायालय परिसर से फरार हो गए. आरोपियों के अचानक गायब होने की जानकारी मिलते ही कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई. सुरक्षाकर्मियों और अन्य लोगों ने न्यायालय परिसर के अलावे आसपास के इलाकों में भी काफी देर तक उनकी तलाश की लेकिन तीनों का कोई सुराग नहीं मिल सका. कोर्ट प्रशासन ने नगर थाने में दिया आवेदनः घटना को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय के पीठ लिपिक जितेंद्र कुमार ने मंगलवार को नगर थाना में आवेदन दिया। आवेदन के आधार पर पुलिस ने तीनों फरार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है. घटना की सूचना तत्काल पीठासीन पदाधिकारी को भी दी गई. कोर्ट की कस्टडी से आरोपियों के फरार होने की घटना ने न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. नगर इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने बताया कि पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है, जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

211 नवसृजित डिग्री कॉलेजों में 2451 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति, 80.78% चयनित अभ्यर्थी बिहार के निवासी

पटना, एजेंसी। बिहार में नवसृजित 211 डिग्री महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति को लेकर बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने आंकड़े जारी किए हैं. आयोग के अनुसार कुल 2451 चयनित अभ्यर्थियों में 1980 बिहार के निवासी हैं. यानी नियुक्त किए गए सहायक प्राध्यापकों में 80.78 प्रतिशत अभ्यर्थी बिहार से हैं. आयोग ने दावा किया है कि अखिल भारतीय स्तर पर आवेदन और चयन की प्रक्रिया होने के बावजूद बिहार के अभ्यर्थियों का चयन प्रतिशत 80 से अधिक रहा है.

एक महीने में पूरी हुई नियुक्ति प्रक्रिया: बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने बताया कि नवसृजित डिग्री कॉलेजों के लिए सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू की गई थी. इसके तहत कुल 6939 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया. इनमें से 2451 अभ्यर्थियों का संविदा के आधार पर सहायक प्राध्यापक पद के लिए चयन किया गया.

आयोग ने एक अगस्त को चयन का परिणाम जारी किया. अध्यक्ष के मुताबिक विज्ञापन जारी होने से अंतिम मेधा सूची के प्रकाशन तक पूरी प्रक्रिया करीब 30 दिनों में पूरी की गई. नियुक्ति में भी बिहार के अभ्यर्थियों को लाभः आयोग ने बिहार में लागू आरक्षण व्यवस्था को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की है. अध्यक्ष के मुताबिक पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति,

अनुसूचित जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए कुल 60 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं. इन आरक्षित सीटों का लाभ केवल बिहार के निवासी अभ्यर्थियों को मिलता है. इसके अलावा अनारक्षित सीटों पर भी महिलाओं, दिव्यांगजनों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों के लिए क्षैतिज आरक्षण का प्रावधान है. आयोग के अनुसार इन प्रावधानों को जोड़ने पर नियमित नियुक्ति प्रक्रिया में भी कम से कम 76 प्रतिशत चयनित अभ्यर्थियों के बिहार के निवासी होने की संभावना है.

दस्तावेजों में गड़बड़ी मिलने पर नियुक्ति रद्द होगी: आयोग के अध्यक्ष प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितता से जुड़े तीन मामलों पर भी सफाई दी है. आयोग के अनुसार राजेश कुमार यादव का योगदान आरक्षण श्रेणी से संबंधित गलत प्रमाण-पत्र सामने आने के बाद स्वीकार नहीं किया गया. वहीं हिंदी विषय की चयनित अभ्यर्थी हेमा कुमारी का योगदान भी दस्तावेज सत्यापन के दौरान अस्वीकार कर दिया गया.

बिहार की बेटी मीशा सिंह को राष्ट्रपति भवन से बुलावा, 15 अगस्त को होंगी सम्मानित

कटिहार, एजेंसी। कहते हैं कि सपने अगर बड़े हों और उन्हें पूरा करने का जुनून हो तो कोई भी मंजिल मुश्किल नहीं होती. कटिहार की बेटी मीशा सिंह ने अपनी मेहनत, सोच और इनोवेटिव आइडिया के दम पर ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिससे आज पूरा कटिहार ही नहीं बल्कि बिहार गौरवान्वित महसूस कर रहा है. इस युवा उद्यमी को 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति भवन से विशेष निमंत्रण मिला है.

15 अगस्त के लिए बुलावा: खास बात यह है कि इस श्रेणी में आमंत्रित होने वाली मीशा बिहार की एकमात्र महिला युवा उद्यमी हैं. राष्ट्रपति भवन से मिले इस विशेष आमंत्रण ने मीशा के परिवार के साथ-साथ पूरे सीमांचल में खुशी की लहर है.

लॉजिस्टिक्स और कोल्ड चेन पर जोर: मीशा कहती हैं कि सीमांचल में मछली उत्पादन और कारोबार की अपार संभावनाएं हैं लेकिन बेहतर लॉजिस्टिक्स और कोल्ड चेन की कमी लंबे समय से बड़ी चुनौती रही है. इसी समस्या को उन्होंने अवसर के रूप में देखा और अपने आइडिया को स्टार्टअप का रूप देने की दिशा में काम शुरू किया. आज उनकी इसी सोच और लगातार मेहनत ने उन्हें उस मुकाम तक पहुंचाया है.

मीशा की सफलता में परिवार बना ताकत: मीशा की इस उपलब्धि में फैमिली का पूरा सपोर्ट है. राष्ट्रपति भवन से मिले खास आमंत्रण से सभी काफी खुश हैं. माता-पिता काफी भावुक नजर आए. मां शीला देवी ने कहा कि परिवार को मीशा पर नाज है, उसने अपनी मेहनत की बदौतल ये सफलता हासिल की है. 'मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है. हमें पूरा भरोसा है कि हमारी बेटी आने वाले समय में भी बिहार और देश का नाम रोशन करेगी. ' - शीला देवी, मीशा की मां

क्या बोलीं बहन: वहीं, बहन भावना ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मीशा का नहीं, बल्कि पूरे सीमांचल और बिहार की बेटियों का सम्मान है. वो कहती हैं, 'मीशा उन बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं, जो पारंपरिक नौकरी के विकल्प से आगे बढ़कर उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं.'

बिहार के खिलाड़ियों के लिए बड़ी खुशखबरी, ओलंपिक मानकों के अनुरूप विकसित होगी स्पोर्टस सीटी

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के विस्तार और आधुनिक शहरी विकास की दिशा में प्रस्तावित पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप में खेल सुविधाओं का बड़ा केंद्र विकसित करने की तैयारी है. टाउनशिप की समेकित योजना में खेल गतिविधियों और खेल अवसंरचना के लिए कुल 651 एकड़ क्षेत्र निर्धारित किया गया है. इसमें स्पोर्ट्स सिटी, गोल्फ कोर्स और आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित किए जाने का प्रस्ताव है.

225 एकड़ में बनेगी स्पोर्ट्स सिटी: नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर बैठक हुई. बैठक में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह भी मौजूद रहीं. इस दौरान पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप में प्रस्तावित स्पोर्ट्स सिटी और अन्य खेल सुविधाओं के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. इस बैठक में खेल विभाग और नगर विकास विभाग के कई अधिकारी भी मौजूद रहे. इस टाउनशिप की योजना में करीब 187 एकड़ क्षेत्र गोल्फ कोर्स के लिए प्रस्तावित है. इसके अलावा 239 एकड़ में आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजना है. इस कॉम्प्लेक्स में अलग-अलग खेल गतिविधियों के लिए व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा.

नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, पाटलिपुत्र टाउनशिप को विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं का केंद्र बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है. राज्य के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है.

बिहार में बड़ा हादसा, पहाड़ी से गिरकर दो शिवभक्तों की मौत

रोहतास, एजेंसी। बिहार के रोहतास में प्रसिद्ध गुप्ता धाम में दर्शन के लिए जा रहे दो श्रद्धालुओं की पहाड़ से गिरने के कारण दर्दनाक मौत हो गई. हादसा इतना भयावह था कि दोनों श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई. घटना चेनारी थाना क्षेत्र के अमवा चुआ के पास मंगलवार की है. मृतकों की पहचान औरंगाबाद जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के शंकरपुर अमरपुरा गांव निवासी प्रयाग मेहता (50) और शंभू (35) के रूप में हुई है.

रेलवे कर्मचारी की मौतः बताया जा रहा है कि मृतक शंभू कुमार रेलवे में कार्यरत थे और वर्तमान में अनुग्रह नारायण रेलवे स्टेशन पर उनकी तैनाती थी. हादसे की खबर गांव पहुंचते ही मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया. एक साथ दो लोगों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है.

कैसे हुआ हादसा ग्रामीण डॉ. ज्ञानेश्वर वर्मा ने बताया कि, शंकरपुर अमरपुरा गांव से श्रद्धालुओं का एक जत्था भगवान गुप्तेश्वर नाथ महादेव के दर्शन के लिए गुप्ता धाम जा रहा था. इसी दौरान कैमूर पहाड़ी के रास्ते में तेज बारिश शुरू हो गई. बारिश के कारण पहाड़ी रास्ता बेहद फिसलन भरा हो गया था.

इसी दौरान प्रयाग मेहता का अचानक पैर फिसल गया और वह पहाड़ की ढलान से नीचे गिरने लगे. उन्हें बचाने के प्रयास में शंभू भी पहाड़ की ओर नीचे उतरा. उसका भी पैर फिसल गया.

पुलिस की कड़ी मशक्कतः घटना की सूचना मिलते ही चेनारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची. पहाड़ी और दुर्गम रास्ते के कारण पुलिस के सामने दोनों शवों को घाटी से बाहर निकालना बड़ी चुनौती थी. काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को घाटी से बाहर निकाला. इसके बाद प्रशासन ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया.

सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव के दर्शन के लिए गुप्ता धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है. श्रद्धालुओं का कहना है कि, 'सावन के दौरान यहां भारी भीड़ उमड़ती है, ऐसे में प्रशासन को खतरनाक स्थानों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था करनी चाहिए. खासकर अमवा चुआ और अन्य संवेदनशील पहाड़ी रास्तों पर बैरिकेडिंग, रस्सियों की व्यवस्था, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती होनी चाहिए. '

दो दिनों में चार श्रद्धालुओं की मौतः इससे पहले भी श्रद्धालुओं के पहाड़ी रास्ते से फिसलकर गहरी खाई में गिरने की घटनाएं सामने आती रही हैं. एक दिन पहले भी एक महिला समेत दो श्रद्धालुओं की पहाड़ से गिरने के कारण मौत हुई थी. अब दो और श्रद्धालुओं की जान चली गई. इस तरह महज दो दिनों के भीतर एक महिला समेत चार श्रद्धालुओं की पहाड़ से गिरकर मौत हो चुकी है.

बारिश और फिसलन हादसे के कारणः सावन के महीने में यहां दूर-दराज के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. श्रद्धालुओं को गुफा तक पहुंचने के लिए पहाड़ों और दुर्गम रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है. बारिश के मौसम में यह रास्ता और भी खतरनाक हो जाता है.

मुजफ्फरपुर में चलती बस में लगी भीषण आग, 35 यात्रियों की बाल-बाल बची जान

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में चलती बस में आग लग गयी. देखते ही देखते बस जलकर राख हो गयी. घटना मोतीपुर थाना क्षेत्र के एनएच-27 पर बरजी ओवरब्रिज के पास की है. बस में करीब 35 यात्री सवार थे. आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल बस को सड़क किनारे रोक दिया, जिसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. कुछ ही देर में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और बस धू-धू कर जलने लगी.

मोतिहारी से आ रही थी बसः जानकारी के अनुसार, यात्री बस मोतिहारी से मुजफ्फरपुर की ओर जा रही थी. देर रात करीब 12 बजे बरजी ओवरब्रिज से गुजरने के दौरान बस में अचानक आग लग गई. आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है. आग की लपटें तेजी से फैलने के बाद चालक ने बस रोक दी. इसके बाद यात्रियों को आनन-फानन में बस से बाहर निकाला गया.

42 लाख का माल दो लाख में दर्शाया

सहायक आयुक्त समेत तीन अफसरों पर भ्रष्टाचार केस

आगरा , एजेंसी। रेलवे की पार्सल बोगी में फर्जी कागजात से माल दूसरे राज्यों में भेजकर जीएसटी चोरी के बड़े खेल का भंडाफोड़ हुआ है। ट्रांसपोर्टर के साथ जीएसटी अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आई है। 42 लाख के माल को 2 लाख रुपये का दर्शाकर पार्सल से भेजने की शासन में शिकायत पर विजिलेंस जांच हुई। आरोप की पुष्टि होने पर सोमवार को तीन जीएसटी अधिकारी और ट्रांसपोर्टर के खिलाफ विजिलेंस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

इसकी वर्ष 2023 में शासन में शिकायत हुई थी। इसके मुताबिक शिकायतकर्ता रवि गांधी ने 29 सितंबर और 7 अक्तूबर 2022 को सचल दल पंचम के प्रभारी सहायक आयुक्त संदीप कुमार सिंह और वाणिज्य कर अधिकारी देवेश पांडेय को बताया कि आगरा फोर्ट स्टेशन पर एक रेलवे बोगी माल वाहक बुक हुई। इससे जीएसटी चोरी कर माल को अवध एक्सप्रेस से बांद्रा टर्मिनल रेलवे स्टेशन भेजा जा रहा है। यह काम ट्रांसपोर्टर असलम कुरैशी कर रहे हैं।

जानकारी पर सचल दल पंचम के अधिकारी सहायक आयुक्त संदीप कुमार सिंह, वाणिज्य कर अधिकारी देवेश पांडेय और सतीश चंद्र आगरा फोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने शिकायतकर्ता को बताया कि बोगी खाली है, जबकि रेलवे विभाग के अभिलेख के अनुसार, बोगी को 29 सितंबर 2022 को सुबह 9:15 बजे से रात 11.40 बजे तक के लिए लोड किया गया है। बाद में रवि गांधी ने फिर से कई काल किए। बताया कि माल बोगी में भरा जा रहा है। मगर सचल दल पंचम ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस वजह से माल आगरा फोर्ट से बांद्रा टर्मिनल भेज दिया गया। जांच में पता चला कि ट्रांसपोर्टर ने पार्सल बोगी से भेजे माल की कीमत 2 लाख रुपये दर्शाई थी, जबकि जीएसटी विभाग की जांच में माल की कीमत 42 लाख रुपये होना पाया गया। जांच में खुलासा हुआ कि ट्रांसपोर्टर ने जीएसटी चोरी कर माल को दूसरे राज्य में भेजा। सूचना के बाद भी अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे सरकार को राजस्व की क्षति पहुंचाई। आरोपी सहायक आयुक्त संदीप कुमार गाजीपुर, वाणिज्य कर अधिकारी देवेश पांडेय प्रतापगढ़ और सतीश चंद्र अमरोहा के रहने वाले हैं। वर्तमान में सभी दूसरे जिलों में तैनात हैं। ज्योति नगर, इंद्रपुरम निवासी असलम कुरैशी ट्रांसपोर्टर है। 25 साल से यह कार्य कर रहा था। विवेचक ने ट्रेन से भेजे गए माल को 2 लाख रुपये का दिखाया जबकि रेलवे के प्रपत्र के अनुसार, माल में 300 बॉक्स जूते, 100 बोरी आयरन चेन थीं। एक बॉक्स में 40 जोड़ी जूते रखे हुए थे। प्रत्येक बोरी में 60 किलोग्राम आयरन चेन थीं। विजिलेंस ने माल की कीमत का आकलन किया। इसमें पता चला कि 42 से 45 लाख रुपये प्रति बोगी माल की कीमत थी। जीएसटी के मुताबिक, प्रति जोड़ी जूते की कीमत 250 रुपये पता चली। इस हिसाब से 300 बॉक्स माल 30 लाख रुपये का हो गया। 100 बोरी आयरन चेन की कीमत 12 लाख रुपये मानी गई।

अघोषित बिजली कटौती से तीन लाख लोगों ने झेला बिजली संकट

लखनऊ, एजेंसी। उमस भरी गर्मी के बीच राजधानी के पश्चिमी और ग्रामीण इलाकों में अघोषित बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दुबग्गा क्षेत्र के एफसीआई उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में पिछले तीन दिनों से बिजली की आवाजाही बनी हुई है। अलग-अलग क्षेत्रों में करीब तीन लाख लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। बार-बार बिजली गुल होने से घरों के जरूरी काम प्रभावित हुए। बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी में सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। एफसीआई उपकेंद्र से संबंधित क्षेत्र सुदामा होटल के पीछे बुद्धेश्वर इलाके में शनिवार रात से बिजली कटौती का सिलसिला जारी है। उपभोक्ताओं के मुताबिक शनिवार रात नौ बजे गई बिजली ढाई बजे आई। रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक आपूर्ति बाधित रही। सोमवार सुबह चार से नौ बजे तक बिजली गुल रही। इसके बाद रात 7:30 बजे से डेढ़ बजे तक आपूर्ति ठप रही। नरौना, सलेमपुर पतौरा, पिंक सिटी, नाजिम नगर, जाहिद नगर, बुद्धेश्वर बिहार, आलम बिहार, सोना बिहार, मायापुरम, बादरखेड़ा, भपटामऊ और मॉडल सिटी समेत कई इलाकों में सोमवार रात से मंगलवार शाम तक 30 से अधिक बार बिजली कटी। सोमेश शुक्ला, अनुज त्रिपाठी, रामराज रावत सहित कई उपभोक्ताओं ने बताया कि लाइनमैन का कहना है कि कर्मचारियों की कमी है। इस दौरान करीब 65 हजार लोगों ने बिजली संकट का सामना किया।

बसंत कुंज और दुबग्गा ओल्ड में भी संकट

बसंत कुंज उपकेंद्र के लालाबाग रमना, फरीदीपुर, बेगरिया और बसंत कुंज समेत कई इलाकों में दो से तीन घंटे की कटौती हुई। दुबग्गा ओल्ड उपकेंद्र के जेहटा, मौरा, बरावन कला, मलहा, बनियाखेड़ा, कटौली, जमालनगर और आम्रपाली समेत कई इलाकों में दिनभर बिजली की आवाजाही बनी रही। करीब एक लाख लोग प्रभावित हुए। बिजली कटौती से परेशान उपभोक्ताओं ने बिजली निगम के अधिकारियों पर शिकायतों के बावजूद प्रभावी सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। उपभोक्ता अमित, राजेश ,रामशंकर, सुरेंद्र, रंजीत, विजय शर्मा, राकेश सिंह, नीरज वर्मा, राकेश लोधी समेत अन्य कई लोगों ने बताया कि लगातार कटौती की समस्या के समाधान के लिए कई बार शिकायत की गई, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उपभोक्ताओं ने अब उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही है। राजाजीपुरम न्यू बिजली उपकेंद्र से पोषित मोहन रोड क्षेत्र में अचानक बिजली गुल होने से नाराज उपभोक्ताओं ने उपकेंद्र पर पहुंचकर हंगामा किया। यहां उपकेंद्र परिसर में लगे 11 केवी ट्रांसफार्मर के एलटी केबल में शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे फीडर की सप्लाई पूरी तरह बाधित हो गई। जेई मनी राम ने बताया कि केबल शॉर्ट होने की घटना 11:11 बजे हुई। उपकेंद्र की तकनीकी टीम को फॉल्ट दुरुस्त करने में समय लग गया। नाराज उपभोक्ताओं को किसी तरह शांत किया गया। काकोरी के शाहपुर फीडर से जुड़े इलाकों में सोमवार रात से मंगलवार शाम तक 25 से ज्यादा बार बिजली कटी। करीब चार घंटे तक आपूर्ति बाधित रहने से लोग बेहाल रहे। उपभोक्ताओं ने व्यवस्था सुधारने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस का लक्ष्य ऐसा संगठन तैयार करना जो बूथवार और वार्डवार मजबूत हो

वाराणसी, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव बीएम संदीप ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य ऐसा संगठन तैयार करना है जो बूथवार और वार्डवार मजबूत हो और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहे। मंगलवार को काशी प्रवास पर आए राष्ट्रीय सचिव ने मैदागिन स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि 11 से 14 अगस्त तक महानगर कांग्रेस के संगठन सृजन का कार्य पूरा किया जाएगा। इसके बाद 15 अगस्त तक इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। संगठन सृजन अभियान के प्रभारी समन्वयक राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि 16 अगस्त से 20 अगस्त तक जिले के संगठन सृजन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान जिले के अंतर्गत आने वाले सभी मंडलों, ब्लॉकों और वार्डों की संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा की जाएगी और आवश्यक सुझाव और जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। संगठन सृजन केवल पदों का गठन करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जमीनी कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नेताओं और सभी संगठन और चुनावी अनुभव रखने वाले साथियों के विचार एवं अनुभव के आधार पर मजबूत संगठन तैयार करने का अभियान है। संगठन सृजन का कार्य महानगर, जिला, ब्लॉक, मंडल और वार्ड स्तर तक किया जाएगा। इसके लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ मंथन किया जाएगा। साथ ही फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों, पार्षद दल, वार्ड अध्यक्ष, वार्ड प्रभारी, जिला एवं महानगर के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों से भी संवाद किया जाएगा। बैठक में सलमान बशर, दयाशंकर पाण्डेय, लल्लन पटेल, राजेश्वर सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, दुर्गाप्रसाद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षक ने कारोबारी पर लगाया जमीन कब्जाने का आरोप

कानपुर , एजेंसी। शहर के एक प्रतिष्ठित कारोबारी पर बिठूर के हिंगूपुर कछार स्थित एक रिसॉर्ट के पास की जमीन पर कब्जे की नीयत से रातोंरात बुलडोजर चलवाने का आरोप है। पीड़ित सेवानिवृत्त शिक्षक ठाकुर प्रसाद ने पुलिस से लेकर जिलाधिकारी तक गुहार लगाई। डीएम ने एसडीएम सदर को जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। ग्राम नयापुरवा पैगूपुर निवासी ठाकुर प्रसाद ने बताया कि उनकी हिंगूपुर कछार में जमीन है। इसमें से कुछ जमीन भूमि रिंगरोड में अधिग्रहित हो चुकी है। बची भूमि में 40 नीबू के पेड़, एक गूलर और दो बांस की कोठी हैं। आरोप है कि प्रतिष्ठित कारोबारी उनकी भूमि को बेचने का दबाव बना रहा था। इन्कार पर रातों-रात जमीन पर बुलडोजर से कई ट्रक मिट्टी डलवा दी। जानकारी होने पर पुलिस से शिकायत की तो काम रुकवाया गया। हालांकि, कारोबारी पर कार्रवाई नहीं हो रही है।

महिला के बैंक खाते से 3.20 लाख उड़ाए

कानपुर , एजेंसी। रावतपुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने महिला के बैंक खाते से 3.20 लाख रुपये पार कर दिए। साइबर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बैंक कर्मियों से भी पूछताछ की जाएगी। मसवानपुर निवासी शिखा शुक्ला ने पुलिस को बताया कि चार अगस्त को उनके केनरा बैंक स्थित खाते से चार बार में कुल 3.20 लाख रुपये पार कर दिए। शिखा ने तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

अलीगढ़ में सीएनजी 1.90 रुपये हुई महंगी

अलीगढ़ , एजेंसी। सीएनजी चालकों के लिए अहम खबर है। सीएनजी के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है, जिससे आम जनता और वाहन चालकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। 18 जुलाई से सीएनजी के नए और बढ़े हुए रेट लागू कर दिए गए हैं, जिसके तहत इसके दामों में 1.90 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है।

प्रतिबंधित आर्मेनियाई एप जंगी का सोनभद्र में इस्तेमाल, अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क से मिला कनेक्शन

वाराणसी, एजेंसी। प्रतिबंधित आर्मेनियाई एप जंगी का सोनभद्र में इस्तेमाल हो रहा है। आतंकी कनेक्शन उजागर होने के बाद वर्ष 2023 में जिन 14 मोबाइल एप को केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित किया था, उसमें जंगी एप भी शामिल था। ओबरा के मेडिकल स्टोर संचालक रितेश जायसवाल की गिरफ्तारी के बाद मामले का खुलासा हुआ है।

जांच में सामने आई ये बात

पुलिस की जांच में पता चला कि इसका इस्तेमाल सोनभद्र और यहां से सटे सीमावर्ती राज्यों में ड्रग तस्करी के लिए हो रहा है। कोडीन कफ सिरप तस्करी में भी इस एप के इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। चार राज्यों से सटे सोनभद्र में पहली बार इस तरह की गतिविधि होने पर अभिसूचना इकाइयों को अलर्ट किया गया है। खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। 9 अगस्त को ओबरा पुलिस को सूचना मिली थी कि जंगी एप के जरिये प्रयागराज से हेरोइन की खेप ओबरा पहुंचाई जा रही है और आरोपी अपने घर और मेडिकल स्टोर से इसकी बिक्री करता है। इसके बाद

पुलिस ने मोहल्ला रविदास नगर निवासी रितेश जायसवाल के चोपन रोड स्थित सुमन मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। सीओ ओबरा प्रभात राय ने बताया कि पुलिस ने 27.10 ग्राम हेरोइन के साथ रितेश जायसवाल को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर कोडीनयुक्त कफ सिरप की 100 एमएल वाली 207 शीशियां बरामद कीं। एविल इंजेक्शन की भी 650 शीशियां मिलीं। इनकी कीमत लगभग 3.28 लाख रुपये है।

जंगी जैसे एप का तोड़ अभी नहीं निकल पाया है। इसका फायदा उठाकर एप का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। सोनभद्र में इसका इस्तेमाल ड्रग तस्करी के लिए किए जाने का प्रकरण सामने आया है। कफ सिरप तस्करी में भी इसके जांच दबिश में जुटी हुई हैं। इस्तेमाल के संकेत मिले हैं।

एसी बस में गैस निकलने से भर गया धुआं, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

गोरखपुर , एजेंसी। नंदानगर रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार शाम पडरौना डिपो की जनरथ एसी बस संख्या 8106 में अचानक धुआं भरने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस में करीब 53 यात्री सवार थे। धुआं देखकर यात्रियों को लगा कि बस में आग लग गई है। घबराए यात्री खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकलने लगे। इस दौरान कई यात्रियों को हल्की चोटें भी आईं। गनीमत रही कि कोई गंभीर हादसा नहीं हुआ। गोरखपुर रोडवेज से बस यात्रियों को लेकर पडरौना जा रही थी। शाम करीब सात बजे बस एम्स के पास नंदानगर रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंची। उस समय रेलवे फाटक बंद था। मालगाड़ी गुजरने के बाद फाटक खुला तो बस ट्रैक पर पहुंच गई। इस दौरान बस में लगे अग्निशमन यंत्र के सिलिंडर की गैस एक्सपायर होने के चलते अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते बस के केबिन में धुआं भर गया। धुआं देखकर यात्री घबरा गए और बस से उतरने के लिए शीशा तोड़ने लगे। परिचालक ने यात्रियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन डर के कारण वे नहीं माने। बस करीब दस मिनट तक रेलवे ट्रैक पर खड़ी रही। बाद में बस को ट्रैक से हटाकर यात्रियों को दोबारा बैठाया गया और पडरौना के लिए रवाना कर दिया गया। बताया गया कि बस ट्रैक से हटने के करीब पांच मिनट बाद ट्रेन वहां से गुजरी। बस में अग्निशमन यंत्र की गैस एक्सपायर होने के कारण धुआं निकला था। घटना में कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ। बस को ट्रैक से हटाकर यात्रियों को सुरक्षित आगे भेज दिया गया।

कंगना ने छात्रों के बारे में ये क्या कह दिया? विद्यार्थियों का खौल उठा खून, दर्ज हुआ परिवाद

आगरा , एजेंसी। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रणौत के छात्रों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और उनके अभिभावकों का अपमान करने के आरोप में उनके खिलाफ एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह की अदालत में परिवाद दर्ज किया गया है। मामले में अगली सुनवाई 21 अगस्त, 2026 को होगी।

राजीव गांधी बार के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने परिवाद दायर कर आरोप लगाया है कि नीट और अन्य परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक होने से करोड़ों छात्र आहत हुए हैं। कई छात्रों ने तनाव में आकर आत्महत्या भी कर ली। इन घटनाओं के विरोध में हजारों छात्रों ने दिल्ली के जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था।

20 जुलाई, 2026 को पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागकर गोलियां चलाईं। कई छात्र घायल हुए थे। विपक्षी नेताओं ने छात्रों का समर्थन किया, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। वहीं, कंगना रणौत ने 27 जुलाई, 2026 को सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम पर आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। परिवाद में कहा गया है कि इन टिप्पणियों से छात्रों, उनके अभिभावकों और परिवादी की भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं।

नगर निगम और बरेका के बीच एमओयू, 1.5 लाख की आबादी को जलभराव से मिलेगी

वाराणसी, एजेंसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) परिसर और उसके आसपास के विस्तारित नगर निगम क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही जलभराव की गंभीर समस्या

का अब स्थायी समाधान होने जा रहा है।इसके लिए मंगलवार को नगर निगम और बरेका के बीच एमओयू हुआ। राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा और बीएलडब्ल्यू के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि बीएलडब्ल्यू प्रशासन और नगर निगम वाराणसी के बीच जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस योजना से क्षेत्र की 1.50 लाख (डेढ़ लाख) आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। 45.03 करोड़ रुपये की लागत से नाले का निर्माण होगा। मानसून के दौरान होने वाली दुश्वारियों से मुक्ति मिलेगी। जल निकासी नेटवर्क को दो हिस्सों में बांटकर काम पूरा किया जाएगा। बीएलडब्ल्यू की सीमा (भूमि) के भीतर नाले के निर्माण पर 24 करोड़ रुपये बरेका खर्च करेगा। वहीं, बीएलडब्ल्यू परिसर की सीमा के बाहर 21.03 करोड़ रुपये का खर्च नगर निगम करेगा। इस तरह कुल 45.03 करोड़ रुपये की लागत से आरसीसी स्टॉर्म वाटर ड्रेन विथ कवर (ढके हुए पक्के नाले) का निर्माण कराया जाएगा।

मेयर के मुताबिक बरेबा और उसके आसपास के इलाके के स्थलीय निरीक्षण में पाया गया था कि वहां नालों की क्षमता बेहद कम है और कई स्थानों पर नाले अवरुद्ध व क्षतिग्रस्त हैं। इस कारण कंदवा गेट और पहाड़ी गेट के आसपास मानसून के समय व्यापक जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे स्थानीय निवासियों, राहगीरों, जनस्वास्थ्य और यातायात पर प्रतिकूल असर पड़ता था। अब कंदवा गेट और पहाड़ी गेट के पास नाला-1 और नाला-2 नाम से नए आरसीसी स्टॉर्म वाटर ड्रेन का निर्माण कराया जाएगा। इससे वर्षा जल का त्वरित और सुव्यवस्थित निकास संभव हो सकेगा। बीएलडब्ल्यू परिसर की बाउंड्री वॉल के साथ-साथ परिसर के आंतरिक भागों में भी जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से आवासीय एवं कार्यालय परिसर जलमग्न हो जाते थे। इससे रेल कर्मचारियों, उनके परिवारों और आमजन को आवागमन में भारी परेशानी होती थी और बुनियादी ढांचे (सड़क व नागरिक अवसंरचना) को नुकसान पहुंचता था।

पूर्वांचल में पुलिस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, अवैध वसूली और लापरवाही में दो दरोगा व चार सिपाही निलंबित

वाराणसी, एजेंसी। पूर्वांचल में पुलिस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। भदोही में कोतवाली पहुंची महिला को भगाने के मामले में दरोगा को निलंबित किया गया। गाजीपुर में अवैध वसूली में तीन सिपाही पर कार्रवाई हुई। सोनभद्र में लापरवाही पर दारोगा और सिपाही को निलंबित किया गया। भदोही में बेटी के साथ अश्लील हरकत की शिकायत लेकर कोतवाली पहुंची महिला को भगाने के मामले में एसपी अभिनव त्यागी ने वरिष्ठ उप निरीक्षक श्याम नारायण

यादव को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक को सौंप दी है। वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने यह कार्रवाई की। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश दी गई।

ज्ञानपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला अपनी बेटी के साथ अश्लील हरकत की शिकायत लेकर सोमवार को थाने पहुंची थी। बताया कि दो युवक आए दिन उसकी बेटी के साथ अभद्रता करते हैं। उसके घर वालों को बताया, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। महिला का आरोप है कोतवाली में तैनात दरोगा ने उसे भगा दिया। कहा कि यहां सुनवाई नहीं होगी।

इसके बाद महिला ने न्याय की गुहार लगाते हुए एक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद एसपी अभिनव त्यागी ने मामले का संज्ञान लिया। आरोपी युवकों पर प्राथमिकी दर्ज की गई। एसपी ने प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक श्याम नारायण यादव को निलंबित कर दिया। इसके अलावा अपर पुलिस अधीक्षक भदोही की ओर से विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। एएसपी शुभम अग्रवाल ने कहा कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे टोल प्लाजा पर अवैध वसूली के आरोप में गाजीपुर पुलिस अधीक्षक ने सोमवार की देर शाम थाने पर तैनात तीन सिपाहियों अजय सिंह, युवराज सिंह और दीपू कुशवाहा को निलंबित कर दिया। पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने पर यह कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक के आदेश में कहा गया है कि उक्त आरक्षी ड्यूटी पर होने या ड्यूटी छोड़कर रात के समय टोल प्लाजा के पास गाड़ियों से अवैध वसूली कर रहे थे। उनका यह घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता का परिचायक है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निलंबन अवधि में तीनों सिपाही पुलिस लाइन से संबद्ध रहेंगे और बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

कासिमाबाद क्षेत्राधिकारी अनुभव राजर्षि ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हैदरगंज टोल प्लाजा के पास वाहनों से अवैध वसूली के आरोप में तीन सिपाहियों पर कार्रवाई हुई है। तीनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। यही नहीं पूरे मामले की जांच चल रही है।

गड्ढों से झांक रहीं सरियां, एक साल पहले जा चुकी दो जानें; यमुना पर बना पुल बेहाल

आगरा , एजेंसी। आगरा के यमुना किनारे स्थित हाथी घाट को एत्माद्दौला स्मारक, महताब बाग और ताज व्यू पॉइंट से जोड़ने वाला आंबेडकर पुल जर्जर हो गया है। पुल पर गड्ढे इतने गहरे हो गए हैं जिनसे सरिया का जाल झांकने लगा है। करीब आठ गड्ढों और जगह-जगह उखड़ चुकी सड़क राहगीरों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। इन गड्ढों से सरिया तक निकल आई है और रात के समय स्ट्रीट लाइट न होने से स्थिति और भयावह हो जाती है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मरम्मत को लेकर गंभीर नहीं दिखते। 16 साल में यह पुल 9 बार क्षतिग्रस्त हो चुका है। मौके पर पड़ताल की, जिसमें कहीं गहरे गड्ढे मिले तो कहीं फुटपाथ के स्लैब तक गायब थे। वाहन चालकों से लेकर पैदल यात्रियों तक को बेहद सावधानी से गुजरना पड़ रहा था। यह मार्ग ताजमहल और एत्माद्दौला स्मारक देखने आने वाले विदेशी पर्यटकों के साथ-साथ सावन में कांवड़ यात्रियों के लिए भी अहम है। टेढ़ी बगिया निवासी विजय यादव ने बताया कि पुल के गड्ढे महीनों से यूं ही पड़े हैं, कई बार शिकायत के बाद भी इन्हें नहीं भरा गया। कौशल सेंगर ने कहा कि निकली हुई सरिया और टूटे भाग कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। प्रशासन को हादसे का इंतजार छोड़ तत्काल मरम्मत करानी चाहिए।

एक महीने बंद रहा था पुल

वर्ष 2009 में हल्के वाहनों के आवागमन के लिए बने इस पुल की स्थिति लगातार बिगड़ती रही है। अब तक यह 9 बार क्षतिग्रस्त हो चुका है। पिछले वर्ष आंधी में रेलिंग की जालियां टूटने के बाद यातायात रोकना पड़ा, जिससे यमुना किनारा से वाटरवर्क्स तक भीषण जाम लग गया। करीब एक महीने तक पुल बंद रहा।

संक्षिप्त समाचार

बड़े रेलवे स्टेशनों पर पार्सल बुकिंग बंद, सुरक्षा के मद्देनजर 15 अगस्त तक रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह को ध्यान में रखकर रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा

व्यवस्था बढ़ा दी गई है। यात्रियों व उनके सामान की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था बनाने में किसी तरह की बाधा उत्पन्न न हो इसे लेकर दिल्ली के रेलवे स्टेशनों से पार्सल सेवा अस्थायी तौर पर बंद रखने का निर्णय लिया है। सभी वाणिज्यिक औपचारिकताओं को पूरा करने के साथ-साथ सुरक्षा प्रोटोकाल आदि का पालन करने के बाद पंजीकृत समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की बुकिंग की अनुमति होगी। नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशनों पर 12 अगस्त से से 15 अगस्त तक सभी प्रकार की पार्सल हैंडलिंग गतिविधियों (लीज्ड एसएलआर, वीपी और डिमांड वीपी की हैंडलिंग) पर प्रतिबंध लगाया गया है। पार्सल गोदाम और प्लेटफार्म पार्सल के सामान से मुक्त रहेंगे। उपर्युक्त सभी स्टेशनों पर लीज्ड एसएलआर और वीपी (डिमांड वीपी सहित) सहित आवक और जावक दोनों प्रकार के यातायात पर प्रतिबंध लगाया गया है। यानी न तो यहां से कोई पार्सल जाएगा और न ही किसी अन्य स्टेशन से आने वाला पार्सल उतारा जाएगा। यात्री व्यक्तिगत सामान को केवल अपने साथ कोच में लेकर जा सकते हैं।

पिछली सरकार की व्यवस्था में लगी दीमक हटा रही हूं', कैग रिपोर्ट पर सीएम रेखा गुप्ता का आप पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री रेखा

गुप्ता ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पिछली आम आदमी पार्टी सरकार पर वित्तीय अनियमितताओं और सरकारी धन के सही इस्तेमाल में बड़ी लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कैग की रिपोर्ट पिछली सरकार के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रिपोर्ट को संबंधित विभागों को एक्शन टेकन रिपोर्ट के लिए भेज दिया है साथ ही कैग की टिप्पणियों पर आगे की कार्रवाई के लिए लोक लेखा समिति को भेज दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान 530 करोड़ रुपये के 45 ठेके एक ही पैन कार्ड से किए गए। उन्होंने इसे ठेका प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता बताते हुए सवाल उठाया कि इतनी बड़ी राशि के काम एक ही पैन कार्ड के माध्यम से कैसे दिए गए। उन्होंने कहा कि करीब 19,973 करोड़ रुपये की योजनाओं से जुड़े 1,734 उपयोगिता प्रमाणपत्र लंबित थे, जबकि केवल 482 प्रमाणपत्र जमा किए गए। उनके अनुसार, इन प्रमाणपत्रों से यह पता चलता है कि सरकारी राशि का इस्तेमाल कब और कहां किया गया। रेखा गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2024-25 में दिल्ली का बजट करीब 80,798 करोड़ रुपये था, लेकिन लगभग 61 हजार करोड़ रुपये ही खर्च किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई योजनाओं के लिए बजट में राशि रखी गई, लेकिन उस पर खर्च नहीं हुआ। केंद्र सरकार से आई राशि उसे वापस कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा सरकारी खरीद को सरकारी ई-बाजार से जोड़ने तथा ई-कार्यालय व्यवस्था लागू करने की बात कही।

गांजा पीकर विमान उड़ा रहा था फुकेट-दिल्ली फ्लाइट का पायलट, दूसरे टेस्ट में पुष्टि; फिर सवालों में एअर इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान (एआई2379) में 300 फीट के अचानक आए ड्रॉप और यात्रियों के घायल होने के मामले में एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस उड़ान के पायलट-इन-कमांड (मुख्य पायलट) का दूसरा डोप टेस्ट भी पॉजिटिव पाया गया है।

एअर इंडिया के सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के बाद तय मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत दोनों पायलटों का अनिवार्य साइकोएक्टिव सब्सटेंस (डोप) टेस्ट कराया गया था। शुरुआती स्क्रीनिंग रिपोर्ट में मुख्य पायलट के सैंपल पॉजिटिव पाए गए, जिसके बाद अंतिम और विस्तृत पुष्टि के लिए उनके सैंपल को एक और प्रयोगशाला (लैब) भेजा गया था।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि लैब से आई दूसरी रिपोर्ट में भी पायलट के मारिजुआना (गांजा) के सेवन की पुष्टि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि टर्बुलेंस की इस घटना के तुरंत बाद विमान में सवार यात्रियों ने भी पायलट के नशे की हालत में होने का आरोप

लगाया था और उनकी स्थिति पर सवाल उठाए थे।

हालांकि, पायलट की इस कंफर्मेटरी लैब रिपोर्ट और गांजे के सेवन के खुलासे को लेकर एअर इंडिया की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या पक्ष जारी नहीं किया गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और सुरक्षा एजेंसियां इस रिपोर्ट को बेहद गंभीरता से ले रही हैं, क्योंकि उड़ान के दौरान 13 यात्री और 4 क्रू सदस्य घायल हुए थे। अब इस डोप रिपोर्ट को भी आधिकारिक जांच रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जा रहा है, जिससे पायलट पर सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की तलवार लटक गई है। इस पूरे मामले में एक और गंभीर पहलू पर तेजी से चर्चा हो रही है। उड्डयन गलियारों और जांच एजेंसियों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि जब विमान अचानक 300 फीट नीचे गिरा, तब क्या पायलट-इन-कमांड ककपिट में अपनी सीट पर मौजूद थे या नहीं? सूत्रों के मुताबिक, जांच टीम ब्लैक बॉक्स के 'कॉकपिट वायस रिकार्डर' (सीवीआर) और 'फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर' (एफडीआर) के जरिए यह सटीक समय पता लगाने में जुटी है कि घटना के वक्त मुख्य पायलट अपनी सीट पर थे, कॉकपिट से बाहर थे या फिर विमान पूरी तरह से फर्स्ट आफिसर (सह-पायलट) के नियंत्रण में था।

दिल्ली में डेंगू के स्ट्रेन-2 का खतरा बढ़ा, एमसीडी पर आंकड़े छिपाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों को लेकर इस वर्ष ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि इस बार डेंगू का स्ट्रेन-2 ज्यादा प्रभावी है। डेंगू के चार प्रकारों में से डेनवी टाइप-2 (डेंगू का स्ट्रेन-2) ही सबसे खतरनाक होता है। इसमें उन लोगों के लिए ज्यादा खतरा रहता है, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है या फिर उन्हें पूर्व में किसी अन्य प्रकार का डेंगू हुआ है। ऐसा होने पर यह जानलेवा हो सकता है। इससे बचाव के लिए अपने घर और कार्यस्थल पर साफ-सफाई रखना जरूरी है। खासतौर पर अगस्त से लेकर अक्टूबर तक ज्यादा मरीज इन बीमारियों की चपेट में आते हैं। इसलिए नागरिकों को सतर्क होने की जरूरत है। दिल्ली की बात करें तो स्ट्रेन-2 जब सबसे ज्यादा पाया जाता है, तब-तब मरीजों की संख्या बढ़ती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 में जब स्ट्रेन-2 सर्वाधिक मरीजों में मिला था, तो उस वर्ष डेंगू के 15 हजार से अधिक मरीजों में इस बीमारी की पुष्टि हुई थी और 60 लोगों की मौत भी हो गई थी। इसी प्रकार 2021 में भी 9,643 मरीज थे और 23 मरीजों की मौत डेंगू से हुई थी। 2023 में भी डेंगू के स्ट्रेन-2 के मरीज सर्वाधिक थे और 19 मरीजों की मृत्यु हुई थी। यानी स्ट्रेन-2 के प्रमुख होने के कारण मरीजों की संख्या भी बढ़ती है और मरीजों की मृत्यु की संख्या भी बढ़ती है। दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री डा. पंकज सिंह ने पिछले सप्ताह ही अपने एक बयान में डेंगू के दिल्ली में मरीजों की संख्या 1,179 बताई थी, जबकि एमसीडी की रिपोर्ट में आंकड़े 230 हैं।

दिल्ली की सरकारी खरीद में बढ़ी जेम की हिस्सेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की सरकारी खरीद में सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) के माध्यम से खरीद में भागीदारी बढ़ रही है। इसके लिए सोमवार को भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली को 'सस्टेंड सर्विसेस प्रिक्यूरमेंट एडोप्शन' श्रेणी के तहत पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि यह पुरस्कार जेम के विकास में दिल्ली के महत्वपूर्ण योगदान की मान्यता है। वित्त वर्ष 2026-27 में जुलाई तक 1595 करोड़ रुपये की खरीद हुई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 624 करोड़ रुपये से 156 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में छोटे कारोबारों की सरकारी खरीद में भागीदारी लगातार बढ़ी है। वित्त वर्ष 2021-22 में एमएसई से लगभग 965 करोड़ रुपये की खरीद हुई थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 2177 करोड़ रुपये हो गई। दिल्ली के विक्रेताओं को वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 95 प्रतिशत आर्डर केंद्र सरकार और दूसरे राज्यों के खरीदारों से आए। इससे दिल्ली के एमएसएमई को स्थानीय बाजार से आगे बढ़कर देशभर में अपने उत्पाद और सेवाएं पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। दिल्ली सरकार की सरकारी खरीद व्यवस्था को ज्यादा समावेशी बनाने की दिशा में महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति व जनजाति उद्यमियों और स्टार्टअप्स की भागीदारी भी बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में जेम के माध्यम से महिला उद्यमियों से 315 करोड़ रुपये, एससी/एसटी उद्यमियों से 41 करोड़ रुपये और स्टार्टअप्स से 405 करोड़ रुपये की खरीद हुई। जेम से जुड़े लोगों और सरकारी विभागों की ट्रेनिंग और क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। 65 से ज्यादा ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए गए, जिनमें 3,600 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। दिल्ली सरकार के वित्त विभाग और जेम के बीच मासिक समीक्षा प्रणाली तैयार की गई है। इसमें सरकारी खरीद के ट्रेंड, जेम के बाहर जारी होने वाले टेंडर और आने वाली खरीद की जरूरतों की समीक्षा की जाती है।

15 अगस्त को लाल किला जाने वाले रखें ध्यान, नहीं तो लौटना पड़ेगा वापस

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राजधानी दिल्ली में सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है। दिल्ली

पुलिस ने समारोह में आने वाले लोगों के लिए सुरक्षा से जुड़े कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ऐसे में अगर आप 15 अगस्त को लाल किले पर होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए जाने वाले हैं तो आपको सुरक्षा संबंधी कुछ बातों का ध्यान रखना होगा नहीं तो आपको वापस घर लौटना पड़ सकता है। साथ ही लाल किले के आसपास रूट डायवर्जन अपने साधन से जाने की बजाय मेट्रो से जाना बेहतर विकल्प रहेगा। आइए जानते हैं आपको किन बातों का ख्याल रखना होगा... कार्यक्रम में एंट्री केवल निमंत्रण कार्ड के माध्यम से ही होगी। सुरक्षा जांच के दौरान आधार कार्ड, वोटर आईडी या पासपोर्ट जैसे मूल पहचान पत्र दिखाना जरूरी है। प्रतिबंधित सामान (बड़े बैग, ब्रीफकेस, खाने-पीने की वस्तुएं आदि) लेकर न जाएं। सुरक्षा जांच के कारण एंट्री में समय लग सकता है इसलिए घर से तय समय से जल्दी निकलें। अगर अपने साधन से जा रहे हैं ट्रैफिक नियमों का ध्यान रखें क्योंकि लाल किले के आसपास रूट डायवर्जन और ट्रैफिक पाबंदियां लागू हैं। यदि कोई लावारिस वस्तु दिखाई दें, तो तुरंत निकटतम सुरक्षाकर्मी को सूचना दें।

किन चीजों को नहीं ले जा सकते?: खाने-पीने की चीजें, केचप, सॉस थैला, ब्रीफकेस, रिमोट नियंत्रित कार लॉक चाबियां कैमरा, दूरबीन, हैण्डीकैम साथ नहीं ले जा सकते हैं रेडियो, ट्रांजिस्टर, टेपरिकॉर्डर, पेजर थर्मस, पानी की बोतल, कैन, छाता पटाखे, बारूद, फ्लेयर्स, किसी भी प्रकार के विस्फोटक डिजिटल डायरियां, पाम-टॉप कंप्यूटर, लैपटॉप, डीवीडी /सीडी प्लेयर, डीवीडी/ सीडी, आईपैड, आईपोड, टैबलेट, पेनड्राइव सिगरेट, बीड़ी, ज्वलनशील पदार्थ, माचिस, शराब, एरोसोल, जेल / पेस्ट, इत्र, स्प्रे इत्यादि हथौड़े, ड्रिल, आरी, तलवार, कटार, पेंचकस मोबाइल चार्जर, इयरफोन, पावर बैंक, बैटरी रेजर, ब्लेड, चाकू, नुकीला हथियार कैंची, तार खिलौना बंदूकें केमिकल और अन्य खतरनाक वस्तुएं

दुष्कर्म की शिकायत के बाद क्या-क्या होता है? एफआईआर पर चार्जशीट और फिर सजा तक का समझें पूरा कानूनी सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। कानून चाहे जितना स्पष्ट क्यों न हो, हकीकत में अदालत का कमरा अक्सर एक

अलग ही जंग का मैदान बन जाता है। देर से दर्ज हुई शिकायत, शुरुआती बयान में छूटे छोटे-छोटे तथ्य, मेडिकल जांच में हुई देरी या हमले के आगे-पीछे पीड़िता का बर्ताव, यह सब मुकदमे में बहुत अहम बन जाते हैं। कई बार पीड़िता की खुद की विश्वसनीयता ही सवालों के घेरे में आ जाती है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि दुष्कर्म की शिकायत दर्ज होने से लेकर सुनवाई पूरी होने तक का सफर कैसा होता है।

वारदात चाहे किसी भी थाने के इलाके में हुई हो, पुलिस शिकायत लेने से इनकार नहीं कर सकती। अगर पीड़िता किसी और थाने पहुंच जाए तो वहां जीरो एफआईआर दर्ज कर बाद में मामला सही थाने भेज दिया जाता है। पीड़िता चाहे तो पीसीआर नंबर 112 पर कॉल करके भी मदद मांग सकती है। इसके अलावा सीधे थाने जाकर बीएनएस की धारा 63 के तहत शिकायत दर्ज करा सकती है। थाने में पहुंचते ही मामला महिला हेल्प डेस्क या किसी महिला अधिकारी के पास भेजा जाना चाहिए, ताकि माहौल डरावना न हो। अगर पीड़िता जीवित नहीं है, तो परिवार के बयान के आधार पर पुलिस कार्रवाई शुरू करती है। बीएनएस की धारा 173 के तहत पहला बयान सिर्फ महिला पुलिस अधिकारी ही दर्ज कर सकती है, और वह भी पीड़िता के घर या उसकी पसंद की किसी निजी जगह पर, हूबहू उसके अपने शब्दों में। इसके बाद पुलिस का दायित्व है कि पीड़िता को जल्द से जल्द न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश करे, जहां शपथ लेकर औपचारिक बयान दर्ज हो, यही बयान आगे मुकदमे की नींव बनता है। बीएनएस के नियमों के मुताबिक पूरी प्रक्रिया को ऑडियो-वीडियो के जरिए रिकॉर्ड किया जा सकता है, ताकि बाद में कोई सवाल न उठे। जांच अधिकारी या ड्यूटी ऑफिसर का फर्ज है कि वे तुरंत दिल्ली महिला आयोग की रेप क्राइसिस सेल को इसकी जानकारी दें। वहां से काउंसलर पहुंचकर पीड़िता को भावनात्मक सहारा देते हैं, कानूनी प्रक्रिया समझाते हैं, और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के जरिए वकील दिलवाने में मदद करते हैं। पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। आम अपराधों के उलट, यौन हिंसा के मामलों में कोई शुरुआती जांच नहीं होती – एफआईआर तुरंत दर्ज करनी होती है। बीएनएस की धारा 72 पीड़िता की पहचान को सुरक्षा देती है: एफआईआर की जिस कॉपी में नाम, पता या और निजी जानकारी होती है, उसे छिपाया जाता है।

सर्दियों में नहीं, मानसून में बढ़ा एच1एन1 का आउटब्रेक; अलर्ट पर दिल्ली के अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में इस बार वर्षा के मौसम में एच1एन1 का संक्रमण तेजी से बढ़ा है। सामान्य तौर पर सर्दियों में सामने आने वाला संक्रमण इस बार वर्षा में तेजी से बढ़ रहा है। अस्पतालों की ओपीडी और इमरजेंसी में बुखार, खांसी, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी वाले मरीज पहुंच रहे हैं। बच्चों में फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीज अधिक देखे जा रहे हैं। अस्पतालों में पहुंच रहे अधिकांश मरीजों की स्थिति माइल्ड है और उपचार से उनमें सुधार हो रहा है। हालांकि, कुछ मरीजों में संक्रमण गंभीर होकर वायरल निमोनिया तक पहुंच रहा है और उन्हें भर्ती कर आइसीयू में निगरानी की आवश्यकता पड़ रही है। चिकित्सकों के अनुसार बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमारी से पीड़ित लोगों में संक्रमण गंभीर होने का खतरा अधिक रहता है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार संक्रमण बढ़ने के बीच लोकनायक, सफदरजंग, आरएमएल, जीटीबी, एम्स और दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल समेत प्रमुख अस्पतालों में निगरानी बढ़ाई गई है। एच1एन1 के गंभीर मरीजों के लिए अलग बेड और उपचार की व्यवस्था रखी गई है। फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों की जांच के साथ उनकी स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सफदरजंग अस्पताल में अब तक 16 एच1एन1 के पुष्ट मामले सामने आए हैं, पहले इनकी संख्या 11 बताई गई थी। जीटीबी अस्पताल में फिलहाल किसी एच1एन1 मामले की पुष्टि नहीं हुई है। जीटीबी के उप चिकित्सा अधीक्षक डा. प्रवीण ने बताया कि फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों के नमूने नेशनल सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) के निर्देश पर जांच के लिए उन्हें भेजे जा रहे हैं। लोकनायक अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डा. बीएल चौधरी ने बताया कि एच1एन1 को लेकर अस्पताल में विशेष निगरानी व्यवस्था की गई है। लक्षण वाले मरीजों की जांच की व्यवस्था है और संदिग्ध मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। पीएसआरआइ में एच1एन1 के मरीजों में करीब चार गुना वृद्धि की जानकारी सामने आई है। कुछ मरीज वायरल निमोनिया की गंभीर स्थिति में पहुंचे हैं।

स्पेन के डूबे जहाज के मलबे में मिला था 3 मिलियन डॉलर का सोने का क्रॉस, 20 साल बाद म्यूजियम से हुआ गायब

मैड्रिड , एजेंसी। टेडी टकर नामक बरमूडियन गोताखोर ने 1955 में बरमूडा की चट्टानों में 16वीं सदी के एक स्पेनी गैलियन के मलबे से सात पन्ने जड़ा सोने का क्रॉस निकाला था।

यह क्रॉस आगे चलकर किसी भी समुद्री जहाज के मलबे से बरामद सबसे कीमती एवस्तुओं में से एक कहलाया। टकर ने पूरे खजाने को बरमूडा सरकार को बेच दिया ताकि बेशकीमती खजाना द्वीप पर ही रहे।

इसके बाद क्रॉस को आम जनता के देखने के लिए पहले बरमूडा एक्वेरियम और बाद में बरमूडा मैरीटाइम म्यूजियम में रखा गया। फिर, 1975 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के म्यूजियम के निर्धारित दौरे से ठीक पहले असली क्रॉस अपने डिस्प्ले केस से गायब हो गया।

उसकी जगह प्लास्टिक की हूबहू नकल रख दी गई। दशकों की जांच के बाद भी असली क्रॉस आज तक बरामद नहीं हुआ है और न ही इस चोरी के लिए कभी किसी पर आरोप तय किया गया है।

मलबे ने कैसे बदल दी टेडी टकर की जिंदगी?: टकर ब्रिटिश रॉयल नेवी के पूर्व गोताखोर थे, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंडरवॉटर

डिमोलिशन का प्रशिक्षण लिया था। युद्ध के बाद बरमूडा लौटकर एक साल्वेज गोताखोर के रूप में अपना करियर बनाया।

वह स्थानीय मछुआरों के साथ मिलकर काम करते थे और द्वीप की चट्टानों में डूबे जहाजों की लंबे समय से चली आ रही अफवाहों का पीछा करते थे। 1950 में, बरमूडा की बाहरी चट्टानों के पास क्रूजिंग करते हुए, उन्हें दो चट्टानों के बीच रेत में पड़ी छह तोपें दिखीं, जो इस मलबे से उनका पहला सामना था। पांच साल बाद 1955 में उचित खुदाई के लिए वहां लौटे। उस साल कई बार गोता लगाने के बाद जहाज की लकड़ियां, चीनी मिट्टी के बर्तन, सिक्के, सोने की सिल्लियां, मोतियों जड़े सोने के बटन और क्रॉस जहाज के निचले हिस्से के एक तख्ते के नीचे मिला था। नेशनल म्यूजियम ऑफ बरमूडा के अनुसार, इस मलबे से बरामद चीजें सैन पेड्रो नामक एक स्पेनी जहाज की थीं, जिनमें लिगुरियन माजोलिका प्लेट भी शामिल है जो अब म्यूजियम में है। यह जहाज 1596 में कोलंबिया के कार्टाजेना से स्पेन लौटते समय बरमूडा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। टकर को असल में कौन सा जहाज मिला, यह तय करना मुश्किल रहा है क्योंकि उस दौर में सैन पेड्रो स्पेन की जहाजों के लिए आम नाम था, और इसी नाम के कई जहाज उसी दशक के आसपास उस इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुए थे। टकर का खुद का मानना था कि यह मलबा 1594 में डूबे एक सैन पेड्रो का था, जिसका आधार मलबे की जगह और मिली हुई वस्तुओं पर लगे निशान थे। हालांकि, अन्य शोधकर्ताओं का तर्क है कि जहाज 1596 के ज्यादा करीब का है। 16वीं सदी में स्पेनी और पुर्तगाली बेड़े आमतौर पर कार्टाजेना, हवाना, पोर्टोबेलो और वेराक्रूज जैसे बंदरगाहों से वापस सेविले, लिस्बन या अजोरेस की ओर यात्रा करते थे। गल्फ स्ट्रीम के पास बरमूडा की भौगोलिक स्थिति उन जहाजों के लिए एक बड़ा खतरा थी जो तूफानों में रास्ता भटक जाते थे। इसी वजह से ऐतिहासिक रिकॉर्ड में इस मलबे को किसी एक पुष्ट यात्रा से जोड़ना और भी मुश्किल हो जाता है। 22-कैरेट सोने से बना और सात पन्नों से जड़ा क्रॉस अपनी शानदार कारीगरी और कीमत की वजहों से तुरंत चर्चा का विषय बन गया। जब स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन के क्यूरेटर मेंडेल पीटरसन ने इसकी जांच की, तो उन्होंने उस समय इसकी कीमत लगभग 2,50,000 डॉलर आंकी थी। आज के समय में इसकी कीमत 30 लाख डॉलर से कहीं अधिक बैठती है। दशकों तक सार्वजनिक प्रदर्शनी में रहने के दौरान, इसे दुनिया में कहीं भी किसी जहाज के मलबे से निकाली गई सबसे मूल्यवान एकल वस्तु के रूप में देखा जाने लगा। टकर ने 1959 में बरमूडा सरकार को पूरा सैन पेड्रो खजाना खास तौर पर इसलिए बेच दिया ताकि यह किसी निजी कलेक्टर के साथ देश से बाहर जाने के बजाय द्वीप पर ही रहे, और यह क्रॉस बरमूडा के समुद्री इतिहास की सार्वजनिक प्रदर्शनियों का मुख्य आकर्षण बन गया।

मेसी ने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद कथित तौर पर अपने फुटबॉल करियर को अनिश्चित काल के लिए रोका

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद कथित तौर पर अपने फुटबॉल करियर को अनिश्चित काल के लिए रोक दिया है। 68 वर्षीय जॉर्ज मेसी का रोसारियो के एक क्लिनिक में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया, जिससे अर्जेंटीना के इस फुटबॉल दिग्गज को एक बहुत बड़ा व्यक्तिगत नुकसान हुआ है। मेसी के करियर में उनके पिता की अहम भूमिका रही है, इसलिए उनके गुज़र जाने से इस महान फ़ॉरवर्ड खिलाड़ी को गहरा सदमा लगा है। फ्रेंच वेबसाइट फुट मर्काटो और अर्जेंटीना की मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि आठ बार के बैलन डीओर विजेता ने इस मुश्किल समय में अपने परिवार के साथ रहने के लिए अपनी पेशेवर ज़िम्मेदारियों से दूरी बना ली है। मेसी ने इंटर मियामी में अपनी वापसी की कोई तारीख तय नहीं की है, जिससे पता चलता है कि परिवार पर ध्यान देने के कारण फुटबॉल उनके लिए अभी गौण हो गया है। जॉर्ज मेसी न केवल लियोनेल मेसी के पिता थे, बल्कि उन्होंने उनके फुटबॉल करियर को संवारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। फुटबॉल करियर शुरू होने के बाद, जॉर्ज ने एक स्टील फ़ैक्टरी में सालों तक सुपरवाइज़र के तौर पर काम करने के बाद अपने बेटे के एजेंट और रणनीतिक सलाहकार की भूमिका संभाली। जॉर्ज, न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज़ में लियोनेल के शुरुआती करियर में भी गहराई से शामिल थे। जब मेसी 13 साल के थे, तो उन्होंने बार्सिलोना की यूथ अकादमी में शामिल होने के लिए उनके स्पेन जाने में मदद की थी।

संपादकीय

ममता बनर्जी के काफिले पर हमला और मूकदर्शक पुलिस

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव और उसके नतीजे आने के बाद से ही आए दिन किसी बात पर हिंसा और अराजकता की जैसी स्थिति बनी हुई है, उसमें ऐसा लगता है कि सरकार और पुलिस मूकदर्शक की भूमिका में हैं और जो हो रहा है, उसे होने दिया जा रहा है। अन्यथा क्या कारण है कि किसी भी राजनीतिक पक्ष के कार्यकर्ता या फिर उनका समर्थन करने वाले लोग बिना किसी बड़ी वजह के अचानक ही आक्रामक या अराजक हो जाते हैं और पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने का इंतजाम करने के बजाय उदासीन दिखती है।

राज्य में 24 परगना जिले के हलिशहर में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ जो हुआ, वह न केवल कानून व्यवस्था पर एक गहरा सवाल है, बल्कि इससे यह भी पता चलता है कि बदले की भावना जब राजनीति में जगह पाती है, तो किस तरह एक अफसोसनाक हिंसा की संस्कृति का विस्तार होता है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ममता बनर्जी उसके परिजनों से मिलने जा रही थीं। इस बीच उनकी गाड़ी पर हमला किया गया, कीचड़ और पत्थर फेंके गए, आक्रामक और अवांछित नारे लगाए गए। अफसोसनाक यह था कि वहां मौजूद पुलिस ने यह सब रोकने के लिए जरूरी सक्रियता नहीं दिखाई। हैरानी की बात यह है कि वहां की स्थिति एक तरह से बेलगाम हो जाने की आशंका के बावजूद पुलिस ने उपद्रवियों की भीड़ को जमा होने से नहीं रोका। यह बेवजह नहीं है कि इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पुलिस के सामने ही उनकी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गएज्‌ गाड़ी पर किया गया हमला इतना

गंभीर था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो उनका सिर फट जाता। सवाल है कि राज्य में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी एक महिला नेता को जब इस स्तर की अराजकता का सामना कर पड़ रहा है, तो राज्य में कानून व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर क्या होगी! हालांकि यह पहली बार नहीं है जब राज्य में असंतोष और नाराजगी के नाम पर चुनावों के बाद इस तरह की बेलगाम प्रतिक्रिया देखी गई हो।

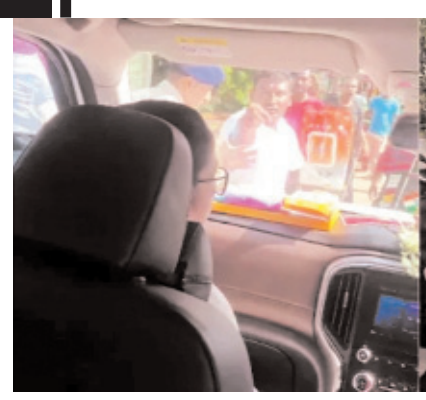

ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब विधानसभा चुनाव के नतीजों में तृणमूल कांग्रेस की हार हुई थी और भाजपा की सरकार बनी। उसके बाद राज्य के अलग-अलग इलाकों में अनेक जगहों पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं या समर्थकों पर हमले की घटना सामने आई। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे कद्दावर नेताओं पर घातक हमले किए गए। इसी तरह एक घटना में तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा पर भी अंडे फेंके गए। विचित्र यह है कि सत्ता में होने के नाते जहां भाजपा सरकार को ऐसी घटनाओं पर शर्मिंदा होना चाहिए, वहां इस पर अफसोसनाक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। क्या ऐसी घटनाओं को सिर्फ जनता की नाराजगी बता कर इनकी गंभीरता को खारिज किया जा सकता है? क्या इस तरह का रवैया कानून व्यवस्था को संभाल पाने में राज्य सरकार की नाकामी को नहीं दर्शाता है? पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा कोई नई बात नहीं है। मगर सवाल है कि जिन राजनीतिक दलों को इससे शिकायत रही, जिन्होंने इससे पहले की सरकारों और सत्ताधारी पार्टियों पर सवाल उठाए, वे जब खुद सत्ता में आए तब उन्हें राजनीतिक हिंसा की प्रवृत्ति को रोकना जरूरी क्यों नहीं लग रहा! केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू राहुल गांधी से मिलकर कहते हैं कि मान जाओ और संसद चलने दोज महत्त्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा करो, लेकिन राहुल हैं कि मानते ही नहीं। वे अड़े हैं कि जब तक केंद्रीय गृहमंत्री 'विद्यार्थियों पर पैलेट गन चलाने' की घटना पर वक्तव्य नहीं दे देते, तब तक संसद नहीं चलने देंगे।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की हालत पर सवाल

देश में सड़क परिवहन की बेहतर सुविधाएं विकसित करने के लिए राजमार्गों का विस्तार और नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। दावा किया जाता है कि उच्च तकनीक के इस्तेमाल से बनने वाले इन सड़क मार्गों पर सफर सुरक्षित होगा और वाहनों की तेज गति से समय की भी बचत होगी। मगर, हाल ही में बने कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की मौजूदा स्थिति सरकार के इन दावों की हकीकत बताती है। इस मार्ग को आधुनिक मशीनों, कृत्रिम मेधा आधारित निगरानी कैमरे और उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली जैसी उच्च तकनीक के इस्तेमाल से तैयार किया गया है, मगर हालत यह है कि पिछले कुछ दिनों में पैंतालीस किलोमीटर की दूरी में औसतन हर दो किलोमीटर पर सड़क धंस जाने की खबरें आई हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में गुणवत्ता के पैमाने को दरकिनार करके इस सड़क का निर्माण किया गया है? अगर ऐसा नहीं है, तो फिर क्या वजह है कि एक माह के भीतर ही सड़क की सतह जगह-जगह धंसने लगी है! किसी एक्सप्रेस-वे का निर्माण के कुछ समय बाद ही क्षतिग्रस्त हो जाने की यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले माह प्रयागराज को मेरठ से जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे का लगभग साठ मीटर हिस्सा धंस गया था। इस सड़क मार्ग का उद्घाटन घटना के करीब तीन माह पूर्व हुआ था। जबकि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की आवाजाही शुरू हुए अभी एक माह भी नहीं हुआ है। इसके अलावा, निर्माणाधीन या लोकार्पण के कुछ दिन बाद ही पुलों के ढह जाने की खबरें भी आए दिन आती रहती हैं। इससे साफ है कि केवल आधुनिक तकनीक के आधार पर किसी निर्माण कार्य की गुणवत्ता तय नहीं की जा सकती। इंजीनियरों की निगरानी और निर्माण सामग्री की जांच में ढिलाई बरतने का परिणाम इसी तरह की क्षति के रूप में सामने आता है। सड़क निर्माण में खामियां कई बार वाहन दुर्घटनाओं का कारण भी बनती हैं। सच यही है कि जब तक किसी भी सार्वजनिक निर्माण कार्य की ईमानदारी से नियमित निगरानी नहीं जाएगी और संबंधित पक्षों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी, तब तक मानकों पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाएगा।

आज का कार्टून

माइक्रोप्लास्टिक पर क्यों बढ़ी चिंता?

वैज्ञानिकों का कहना है कि माइक्रोप्लास्टिक के इसके सूक्ष्म कण फेफड़ों, मस्तिष्क, हृदय और प्रजनन क्षमता पर गंभीर असर डाल सकते हैं। जानिए माइक्रोप्लास्टिक क्या है, यह शरीर में कैसे पहुंचता है और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है।आधुनिक विकास का पहिया जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कई ऐसी समस्याएं पैदा हो रही हैं, जिनका निकट भविष्य में कोई समाधान नहीं दिखाई दे रहा है। ऐसी ही एक विकट समस्या है माइक्रोप्लास्टिक (प्लास्टिक के सूक्ष्म कण) की।

अखिलेश आर्येंदुश्च

यह हवा, ओस और बारिश के जरिए मनुष्य सहित तमाम जीव-जंतुओं की सेहत तथा जैव विविधता पर गहरा असर डाल रहा है। यह प्लास्टिक हमें दिखता नहीं है, लेकिन हमारे ऊपर लगातार वार कर रहा है। इस पर अमेरिका में हुआ शोध एक विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक, दुनिया की साफ मानी जानी वाली जगह 'दक्षिण नेशनल पार्क' की हवा में भी प्लास्टिक के महीन कण पाए गए हैं। इस इलाके में न तो वाहनों की भीड़भाड़ है और न ही यहां उद्योग हैं, इसके बावजूद यहां प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों की बरसात होती रही है। इससे सैकड़ों टन प्लास्टिक के कण धरती पर बिछ चुके हैं। दूसरी तरफ यूनिवर्सिटी आफ आकलैंड (न्यूजीलैंड) के वैज्ञानिकों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रानिक सामान से पालिकार्बोनेट निकलता है, जो एक तरह का प्लास्टिक ही है। इससे भी मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

वैज्ञानिकों ने माइक्रोप्लास्टिक के असर पर शोध के दौरान पाया कि हम रोज प्लास्टिक के लगभग सात हजार सूक्ष्मकण अपनी सांस के जरिए लेते हैं। अध्ययन के मुताबिक, इससे वैसा ही असर होता है जैसा तंबाकू खाना या सिगरेट पीना। यह एक गंभीर स्थिति है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे लोगों की सेहत पर ही असर नहीं हो रहा, बल्कि महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर भी यह नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।

वैज्ञानिकों का मानना है माइक्रोप्लास्टिक हमारी कुल क्षमता पर भी असर डाल रहा है। गौरतलब है माइक्रोप्लास्टिक एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक में खासतौर से पाया जाता है। इसके इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगनी चाहिए, क्योंकि केवल एक बार उपयोग में आने वाले प्लास्टिक से महज हवा ही प्रदूषित नहीं हो रही, बल्कि मिट्टी और पानी भी प्रदूषित हो रहा है। माइक्रोप्लास्टिक से जलीय जीव-जंतुओं और पक्षियों पर भी असर हुआ है। इससे कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए। जीव-जंतुओं में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं और उनकी उम्र में भी कमी देखी जा रही है। इसके अतिरिक्त समुद्र, नदियों और झीलों का जल कई तरह के प्रदूषण से ग्रस्त हो गया है। कस्बों और गांवों के कुओं तथा नहरों का जल भी प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक के कारण प्रदूषित हो गया है। इससे ग्रामीण और कस्बाई लोग कई प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक नदियों और समुद्र तटों पर अरबों टन प्लास्टिक कचरा मौजूद है। हालांकि इस कचरे का पुनर्चक्रण करने का कार्य दुनिया की कुछ कंपनियां कर रही हैं।

इस समस्या को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों ने एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के लिए राज्य स्तरीय नियम बना कर इसे प्रतिबंधित करने का कार्य किया, वहीं अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी 2025 तक पैकेजिंग में सौ फीसद पुनर्चक्रित उत्पाद का उपयोग करने की घोषणा की

थी, लेकिन अभी इस दिशा में कितना काम हुआ है, बता पाना मुश्किल है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित देश के अनेक राज्यों में प्लास्टिक कचरे पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, लेकिन व्यावहारिक रूप से एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक का चलन अब भी जारी है। यदि एक बार इस्तेमाल वाले प्लास्टिक को चलन से बाहर नहीं किया गया, तो माइक्रोप्लास्टिक से मानव सभ्यता का जो नुकसान होगा, वह हमारी कल्पना से भी अधिक हो सकता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार साधारण प्लास्टिक को सड़ने में भी लगभग पांच सौ वर्ष लग जाते हैं। मगर सहजता से उपलब्ध होने के कारण इसके जहरीलेपन को नजरअंदाज कर कर दिया जाता है। दुनिया में इसका महज पांच में से एक हिस्से का ही पुनर्चक्रण हो पाता है। इस तरह इसका 80 फीसद हिस्सा समुद्र में जा रहा है। इसमें माइक्रोप्लास्टिक का हिस्सा सबसे ज्यादा होता है। समुद्री पक्षी प्लास्टिक के कारण असमय मौत का शिकार बन रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक हर वर्ष करीब एक लाख समुद्री जीव मर जाते हैं। कई जीव-जंतु और पक्षी तो विलुप्त हो गए। इसके अतिरिक्त समुद्र, नदियों और झीलों का जल भी प्रदूषण का शिकार हो गया। कस्बों और गांवों के कुओं और नहरों का जल भी प्लास्टिक के कारण प्रदूषित हो गया है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक सत्तर के दशक के बाद प्लास्टिक का उपयोग शहरी, ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में बढ़ता गया। अब यह कई बीमारियों का कारण बन गया है। अब तो प्लास्टिक के बगैर काम नहीं चलता। जाहिर है, इसके असर से बचना नामुमकिन है।

उपयोग में आने वाले प्लास्टिक को जलाने से कई तरह की जहरीली गैसें पैदा होती हैं, जिनमें नाइट्रिक आक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड और कार्बन मोनोआक्साइड प्रमुख हैं। इन गैसों से फेफड़ों और आंखों की बीमारियां, कैंसर, मोटापा, मधुमेह, थायराइड, पेट और सिर दर्द तथा कब्ज जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। नए शोध के अनुसार, प्लास्टिक से बने बर्तनों के उपयोग से इसमें मौजूद नुकसानदेह रसायन खाद्य पदार्थों में घुलकर हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं, जिससे पेट, सिर, फेफड़े और आंख से संबंधित समस्याएं पैदा हो जाती हैं। महिलाओं में प्लास्टिक के अधिक उपयोग के कारण बांझपन आ सकता है। नदियों, झीलों और समुद्र के किनारे उगी वनस्पतियों और पेड़ों पर इसका असर अधिक देखा गया है।

माइक्रोप्लास्टिक पर दुनियाभर में लगातार शोध जारी हैं। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के मुताबिक इंसानी शरीर खासकर मस्तिष्क पर माइक्रोप्लास्टिक का असर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इससे मस्तिष्क की मूल संरचना में बदलाव आ रहा है। दिल का दौरा और मस्तिष्क आघात की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जांच के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने के प्रमाण मिले। गौरतलब है कि प्लास्टिक प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। शोध बताता है कि यह कैंसर और मनोभ्रंश का बहुत बड़ा कारण बन रहा है।

प्लास्टिक प्रदूषण जिस तरह गहरा होता जा रहा है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पिछले पांच दशकों में प्लास्टिक प्रदूषण मानव सभ्यता के लिए खतरनाक बनता चला गया है। पहाड़ों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक, धरती का कोई भी कोना शायद ही बचा हो जहां प्लास्टिक न पहुंचा हो। मनोभ्रंश से प्रभावित लोगों के मस्तिष्क में छह गुना ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक मिलना चिंता की बात कही जा रही है। ऐसे मरीजों के मस्तिष्क में सामान्य लोगों की तुलना में छह गुना माइक्रोप्लास्टिक अधिक पाया गया है।

माइक्रोप्लास्टिक के खतरे और दुष्परिणामों से क्या मनुष्यों को बचाया जा सकता है? क्या इसके बढ़ते असर को रोक पाना संभव होगा? लोगों को इससे बचाने के लिए ऐसे क्या कदम उठाए जा रहे हैं और हर व्यक्ति किस तरह माइक्रोप्लास्टिक के असर से बच सकता है? इन मसलों पर भी लगातार शोध किए जाने चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वक्त में माइक्रोप्लास्टिक से बचने-बचाने के बेहतर तरीके खोजे जा सकेंगे।

तप: धैर्य, साधना और श्रेष्ठता की अनदेखी ताकततप

भारतीय संस्कृति में तप एक अत्यंत महत्वपूर्ण मूल्य रहा है। इसका संबंध केवल धार्मिक साधना से नहीं बल्कि अपनी गुणवत्ता में वृद्धि, परोपकार और किसी उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा से शारीरिक और मानसिक कष्ट सहने से है। भगीरथ, ध्रुव, दधीचि, महावीर और बुद्ध जैसे महापुरुषों से लेकर रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला तक अनेक व्यक्तित्व तप के आदर्श रहे हैं। ऐसे अनेक तपस्वी भी हुए है, जिन्हें व्यापक प्रसिद्धि नहीं मिली, पर जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया।

सदाशिव श्रेत्रिय

तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। सोने को तपाने से जैसे उसकी चमक बढ़ती है, वैसे ही तप मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारता है। संगीत, योग, साहित्य, भक्ति और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता का आधार भी दीर्घकालीन तप ही रहा है। पंडित रविशंकर ने अपनी आत्मकथा में अपने गुरु उस्ताद अलाउद्दीन खां के कठोर अभ्यास का जो वर्णन किया है, वह बताता है कि किसी क्षेत्र में सिद्धि बिना तप के संभव नहीं।

तप के ऐसे पक्ष जिन पर कम ध्यान दिया जाता

तप के दो ऐसे पक्ष हैं जिन पर आज कम ध्यान दिया जाता है। पहला, तप के लिए समय चाहिए, जबकि आज अधिकांश लोग शीघ्र परिणाम चाहते हैं। दूसरा, तप का सबसे बड़ा प्रभाव व्यक्ति के भीतर होता है, जो बाहर से तुरंत दिखाई नहीं देता। आज सफलता का मूल्यांकन लोकप्रियता, धन और बाजार की कसौटी पर होने लगा है। जबकि श्रेष्ठता और लोकप्रियता हमेशा एक-दूसरे की पर्याय नहीं होतीं। पतंजलि के योगसूत्र में तप को 'नियम' का आवश्यक अंग माना गया है और क्रियायोग के तीन प्रमुख

तत्वों- तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान में उसको स्थान दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय चिंतन में तप केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि आत्म-विकास का अनिवार्य साधन रहा है।

तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा

हमारे समाज में तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा। उपवास, व्रत, सेवा, अनुशासन और त्याग उसी के रूप हैं। माता-पिता बच्चों को दूसरों के लिए कष्ट उठाने की शिक्षा देते थे, शिक्षक अपने शिष्यों को विषय के गहन अध्ययन के लिए प्रेरित करते थे और विद्यार्थी आज की तरह किन्हीं दर्ज बिंदुओं पर आश्रित न रह कर मूल ग्रंथों का अध्ययन करते थे। सेवा को भी तप का रूप माना जाता था।

एक परिचित ने अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा को जीवन का प्रमुख दायित्व माना जबकि उसके अन्य भाइयों ने उसमें विशेष रुचि नहीं ली। यह सेवा-तप का एक प्रेरक उदाहरण था। किसी उद्देश्य के प्रति समर्पण और उसके लिए धैर्य का धारण भी तप ही है। कई लोग किसी लक्ष्य का निर्धारण तो कर लेते हैं, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए जिस मार्ग पर चलना पड़ता है, उस पर चलने का धैर्य नहीं रखते। ऐसे में मन में जिस तरह की हड़बड़ी या जल्दी मचती है, उसके नतीजे में या तो लक्ष्य की ओर का यह सफर अधूरा रह जाता है या फिर व्यक्ति रास्ता भटक कर कहीं और पहुंच जाता है।

आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता जा रहा

इसके बाद एक समस्या और आती है। अपनी चूक पर गौर नहीं करने के बाद या तो लक्ष्य को या फिर रास्ते को कठघरे में खड़ा किया जाता है। जबकि सच यह है कि आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता दिखाई देता है। आलस्य, आरामतलबी और त्वरित सफलता की इच्छा बढ़ रही है। विद्यार्थी गहन अध्ययन के स्थान पर संक्षिप्त रास्ता खोजते हैं। त्याग, सादगी, मितव्ययिता और तप जैसे मूल्य पहले जितने आदरणीय नहीं रहे। जीवन का आदर्श अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त करना बनता जा रहा है। इस सुविधा-प्रधान जीवनशैली को ही प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाने लगा है। कुछ लोग तकनीकी प्रगति, उपभोक्तावाद और परिवार-संरचना में परिवर्तन को इसका कारण मानते हैं, लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण पूंजीवादी अर्थव्यवस्था है। यह व्यवस्था व्यक्ति को इतना धन अर्जित करने के लिए प्रेरित करती है कि भविष्य में बिना श्रम के जीवनयापन संभव हो सके।परिणामस्वरूप सुखवाद और आरामतलबी बढ़ती है और तप का महत्त्व घटता जाता है। बिना परिश्रम अधिक आय प्राप्त करने के प्रलोभन देने वाली अनेक योजनाएं इसी मानसिकता का उदाहरण हैं।

गीता में क्या है राजसी तप?

आज अगर व्यक्ति कठिन परिश्रम भी करता है तो आमतौर पर उसका उद्देश्य धन, पद या सत्ता प्राप्त करना होता है। गीता की भाषा में इसे राजसी तप कहा जा सकता है, पर यह सात्विक तप नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में किया गया कठोर श्रम भी अक्सर भविष्य के व्यक्तिगत लाभ का निवेश होता है। उसमें आत्मिक उन्नति, चरित्र-निर्माण या लोक-कल्याण का भाव अनिवार्य रूप से उपस्थित नहीं होता। तप के अभाव में मनुष्य की गुणवत्ता का भी ह्रास होता है। केवल आर्थिक सफलता के लिए किया गया परिश्रम किसी व्यक्ति को संयमी, इंद्रियनिग्रही और निस्वार्थ नहीं बना सकता। जब समाज में तप का आदर्श कमजोर पड़ता है, तब मनुष्य स्वयं भी अधिक उपयोगी और संवेदनशील नहीं रह जाता। यह भी विचारणीय है कि कहीं हमारी दुनिया इतनी असंवेदनशील तो नहीं होती जा रही कि किसी के त्याग और कष्ट से न प्रेरणा मिलती है, न करुणा। अगर समाज को दीर्घकालीन नैतिक और मानवीय शक्ति चाहिए, तो तप को फिर से एक आदर्श मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित करना होगा। तप केवल कष्ट सहने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं को श्रेष्ठ बनाने और व्यापक हित के लिए समर्पित करने की वह साधना है, जिसके बिना व्यक्ति और समाज दोनों का वास्तविक उत्थान संभव नहीं।

संक्षिप्त समाचार

विश्व कप के बाद सफलता की भूख बढ़ी, चैंपियंस ट्रॉफी खास होगी: जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के धाकड़ बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का मानना है कि टीम की वनडे विश्व कप 2025 में जीत ने सफलता की भूख को और बढ़ा दिया है। जेमिमा पहले महिला चैंपियंस ट्रॉफी में भी खिताबी जीत को दोहराने के लिए उत्सुक हैं। रोड्रिग्स ने जियोस्टार पर कहा, 'हमने एक बार सफलता का स्वाद चखा है। हम जानते हैं कि टॉप पर होना कैसा लगता है। आप जितना ज्यादा इसका स्वाद चखते हैं, उतना ही ज्यादा आप वहां पहुंचना चाहते हैं। हमारी टीम इसके लिए काम कर रही है। चैंपियंस ट्रॉफी बहुत खास होने वाली है। यह

महिला क्रिकेट में पहली बार हो रहा है। मैं भी पहली बार इसका हिस्सा बनूंगी। इसलिए यह बहुत खास होगा। मैं सच में इसका इंतजार कर रही हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मानसिकता के हिसाब से, कुछ भी नहीं बदलता है। यह टीम के बारे में है और टीम हमेशा जीत के बारे में सोचती है। 'चैंपियंस ट्रॉफी पर अपना पूरा फोकस करने से पहले, भारतीय टीम को दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलनी है। सीरीज में 1 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाने हैं।दक्षिण अफ्रीका दौरे के बारे में जेमिमा ने कहा, 'यह पक्का एक बहुत ही रोमांचक सीरीज होने वाली है। दोनों टीमें बहुत अच्छा कर रही हैं। हाल ही में हमारे बीच बहुत मुकाबला हुआ है और हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बहुत सारे मैच खेले हैं। दुनिया की दो टॉप टीमें जब साउथ अफ्रीका में एक-दूसरे का सामना करेंगी, तो यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। हम सच में इसका इंतजार कर रहे हैं।'

कैनेडियन ओपन: बेन शेल्टन ने जैकब मेंसिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

मॉन्ट्रियल । बेन शेल्टन ने जैकब मेंसिक को 6-3, 6-1 से हराकर कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में आसानी से जगह बना ली। 23 साल के इस अमेरिकी खिलाड़ी ने इस साल के कैनेडियन एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार चार सेट जीते। शेल्टन ने 18 विनर, तीन अनफोर्स्ड एरर और 89 प्रतिशत फर्स्ट-सर्व पॉइंट जीते। उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। जीत के बाद शेल्टन ने कहा,

'बहुत अच्छा लगा। मैं अपने रिटर्न गेम से बहुत खुश था। जिस तरह से मैंने ग्राउंड से, पॉइंट वन से खेला, मेरे लिए, मैं वहीं पहुंचना चाहता हूं। मुझे लगता है कि पूरे मैच में मैंने जो लेवल बनाए रखा वह सच में बहुत ऊंचा था। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। उम्मीद है कि सेमीफाइनल में भी इसे जारी रखूंगा।' मॉन्ट्रियल ड्रॉ में बचे अकेले टॉप-10 खिलाड़ी, शेल्टन का मुकाबला 12वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकन लर्नर टिएन से होगा। सेमीफाइनल के बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। पूर्व में हुए मुकाबले में में टिएन का पलड़ा भारी रहा है। टिएन इस जोड़ी की प्रतिस्पर्धा में 2-0 से आगे हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

बाबर आजम की टॉप-10 में एंट्री

● वेस्टइंडीज दौरे पर की थी शानदार बल्लेबाजी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉप-10 में धमाकेदार एंट्री की है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का इनाम मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की 4 पारियों में 2 अर्धशतक की

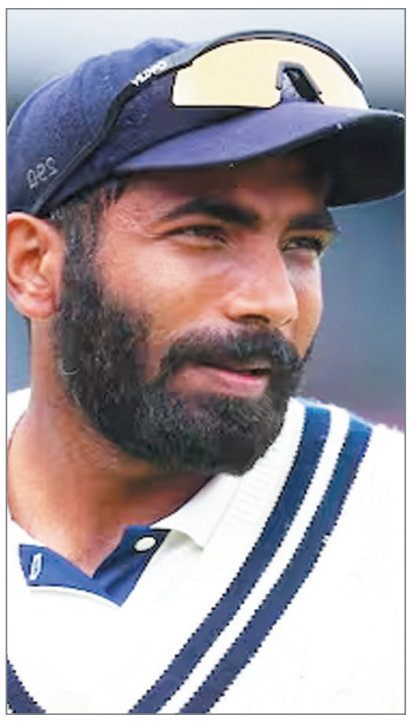

मदद से 193 रन बनाने वाले बाबर पांच स्थान की छलांग लगाते हुए आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष 10 में बाबर एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट, चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा, छठे स्थान पर श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस, सातवें स्थान पर भारत के शुभमन गिल, आठवें स्थान पर न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र, और नौवें स्थान पर भारत के यशस्वी जायसवाल हैं। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक स्थान नीचे खिसकते हुए टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। वह 11वें वें स्थान पर हैं।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। शीर्ष 10 में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस चौथे, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन पांचवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड छठे, और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा सातवें स्थान पर हैं। रबाडा को एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के नोमान अली एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन दसवें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 गेंदबाजों में ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक 5 गेंदबाज शामिल हैं।

टेस्ट के शीर्ष दस ऑलराउंडरों में भारत के रवींद्र जडेजा पहले, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज चौथे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस पांचवें, दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर छठे, भारत के वाशिंगटन सुंदर सातवें, इंग्लैंड के गस एटकिंसन आठवें, वेस्टइंडीज के जस्टिन ग्रिव्स नौवें और इंग्लैंड के जो रूट दसवें स्थान पर हैं। रूट को एक स्थान का फायदा हुआ है। भारत के अक्षर पटेल और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा क्रमशः 11 वें और 12 वें नंबर पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है।

टी20 सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में हुआ सुधार

दुबई । आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। भले ही पाकिस्तान ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज 1-2 से गंवाई, लेकिन इसके बावजूद नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंकाई टीम से, कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम की ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गईं।

श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने साल 2014 के बाद पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज अपने नाम की है, जिसमें इमेशा दुलानी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीता। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 61.50 की औसत से 123 रन बनाए और टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गईं। दुलानी ने 31 जुलाई को शुरुआती मैच में शानदार शुरुआत की और मेजबान टीम को छह विकेट और छह गेंदें शेष रहते हुए 177 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। इसके बाद 2 अगस्त को दूसरे मैच में एक और शानदार चेज के साथ सीरीज अपने नाम की। पाकिस्तान की शवाल जुल्फिकार ने सीरीज में सर्वाधिक 132 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ वह ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 49वें नंबर पर पहुंच गईं। इस बीच ऑलराउंडर्स की सूची में भी बदलाव देखने को मिला, जिसमें श्रीलंका की कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर पहुंच गईं। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज में सर्वाधिक विकेट लिए और फाइनल मैच में भी दो विकेट अपने नाम किए।

भारत से भिड़ने के लिए श्रीलंका ने किया 16 सदस्यीय टेस्ट टीम का ऐलान

मेंडिस-निसांका पहले टेस्ट से बाहर

कोलंबो । भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बुधवार को श्रीलंका क्रिकेट ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। चोट के चलते कुशल मेंडिस और पाथुम निसांका सीरीज के पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। 16 सदस्यीय टीम की कमान ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को सौंपी गई है। सीरीज का पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। मेंडिस को 19 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड पर लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) मैच के दौरान कैंडी रॉयल्स के खिलाफ कोलंबो कैप्स के लिए रन लेते समय दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी और वह नेशनल हाई परफॉर्मेंस सेंटर में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वहीं, निसांका पिछले महीने लंदन में हुई कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। इन दोनों के उपलब्ध न होने पर, चयनकर्ताओं ने अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को वापस बुलाया है, जिन्होंने आखिरी बार 2023 में टेस्ट मैच खेला था। बाएं हाथ के बल्लेबाज डिकवेला के पास 54 टेस्ट खेलने का अनुभव है, जिसके कारण उन्हें अंजला बंदारा पर प्राथमिकता दी गई है। बंदारा ने कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड पर भारत के खिलाफ वार्मअप मैच में हिस्सा लिया था। भारत के खिलाफ वॉर्मअप मैच में 3 विकेट लेने वाले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर केशरा नुवान्था को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है जबकि कासुन रजिता और इसिथा विजेसुंदरा को टीम से बाहर कर दिया गया है। टॉप ऑर्डर बल्लेबाज निशान मदुष्का ने भारत के खिलाफ तीन दिवसीय वार्मअप मैच में 66 और नाबाद 63 रन बनाकर अपनी जगह बनाए रखी है। मुख्य बल्लेबाजी यूनिट में डी सिल्वा, उप-कप्तान कामिंडु मेंडिस, दिनेश चांदीमल, लाहिरू उदारा, पासिंदु सूरियाबंदारा और सोनल दिनुशा शामिल हैं।

श्रीलंका टीम

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कामिंडु मेंडिस (उपकप्तान), लाहिरू उदारा, निशान मदुश्का, दिनेश चंडीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशरा नुवांथा, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन घोषित की

बोलैंड और इंग्लिस बाहर

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से शुरू हो रहा है। डार्विन में खेले जाने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस प्लेइंग इलेवन से बाहर हैं। कप्तान पैट कमिंस ने मजबूत प्लेइंग इलेवन चुनी है। टीम में कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर दोनों को जगह दी गई है। दोनों ऑलराउंडर हैं। टीम की घोषणा से पूर्व वेबस्टर की जगह को लेकर संदेह था, लेकिन कमिंस ने उन्हें भी ग्रीन के साथ तरजीह दी है। बल्लेबाजी क्रम की बात करें तो जेक वेदराल्ड बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। मार्नस लाबुशेन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। स्टीव स्मिथ नंबर 4 पर आएंगे। कप्तान ने कहा कि कमिंस ने यह भी कन्फर्म किया कि ग्रीन कैरी और वेबस्टर से पहले नंबर 5 पर बैटिंग करेंगे क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने मिडिल-ऑर्डर के लिए सही मिक्स की तलाश में है। कैरी ने नंबर 6 पर हमारे लिए कुछ मैच जीते हैं। हमें उनका और वेबस्टर का कॉम्बिनेशन छठे और सातवें नंबर पर पसंद है। तेज गेंदबाजी में कमिंस के साथ मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की तिकड़ी दिखेगी। वहीं, अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन भी टीम में हैं। वह एशेज सीरीज में इंजरी के बाद वापसी कर रहे हैं।

अफगानिस्तान दिल्ली में तीन टी-20 मैचों के लिए भारत की मेजबानी करेगा

बीसीसीआई ने लगाई मुहर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के साथ प्रस्तावित 3 टी20 मैचों की सीरीज के लिए तारीखें मंजूर कर दी हैं। यह पहला मौका है, जब अफगानिस्तान भारत में टी20 सीरीज में भारतीय टीम की मेजबानी करेगा।

अफगानिस्तान और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 3 टी20 मैचों की सीरीज के मैच 13, 15 और 17 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने इस सीरीज के लेकर कहा, 'बीसीसीआई अफगानिस्तान में क्रिकेट के विकास को समर्थन देने के लिए और उसके खिलाड़ियों को सबसे ऊंचे स्तर पर मुकाबला करने के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। द्विपक्षीय सीरीज क्रिकेट का एक जरूरी हिस्सा है, क्योंकि इससे टीमों को नियमित तौर पर अच्छी टीमों के खिलाफ खेलने और कीमती अनुभव पाने का मौका मिलता है। हम इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का भारत में स्वागत करते हैं और इसे सफल बनाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने का इंतजार कर रहे हैं। हमारा मानना है कि साथ मिलकर और भी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। हम दोनों क्रिकेट खेलने वाले देशों के बीच रिश्ते को मजबूत करते हुए अफगानिस्तान क्रिकेट का सहयोग करते रहेंगे।'

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 'बीसीसीआई को भारत में इस टी20 सीरीज का आयोजन करने में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का सहयोग करते हुए खुशी हो रही है। भारत-अफगानिस्तान क्रिकेट राइवलरी ने पिछले कुछ सालों में कुछ रोमांचक मुकाबले देखे हैं। दोनों टीमों में अच्छे क्रिकेटर हैं। अफगानिस्तान के खिलाड़ी भारत में फैंस के बीच भी काफी लोकप्रिय हैं। यह दोनों क्रिकेट देशों के बीच बने मजबूत रिश्ते को दिखाता है।

10 साल की डेटिंग के बाद रचाई कोर्ट मैरिज

फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से की शादी

नई दिल्ली। ठीक एक साल पहले की थी सगाई, रोनाल्डो के हैं 5 बच्चे, हाल ही में खेला करियर का आखिरी फीफा विश्व कप पुर्तगाल। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी लंबे समय से साथी रही गर्लफ्रेंड और स्पैनिश मॉडल जॉर्जिना रोड्रिग्ज से शादी रचा ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों ने मंगलवार को एक निजी समारोह में सिविल मैरिज (कोर्ट मैरिज) की। शादी के बाद रोनाल्डो और जॉर्जिना ने सोशल मीडिया पर अपनी अंगूठियां दिखाते हुए तस्वीरें साझा की हैं।

2016 में हुई थी मुलाकात, पिछले साल की थी सगाई

● **2016 से थे साथ:** रोनाल्डो और जॉर्जिना की पहली मुलाकात साल 2016 में मैड्रिड में हुई थी। वर्ष 2017 की शुरुआत में ज्यूरिख में आयोजित फीफा फुटबॉल अवार्ड्स के दौरान दोनों ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि की थी।

● **12 अगस्त 2025 को सगाई:** ठीक एक साल पहले, 12 अगस्त 2025 को दोनों ने सगाई की थी।

● **परिवार और बच्चे:** रोनाल्डो कुल 5 बच्चों के पिता हैं। इनमें से चार बच्चे जॉर्जिना के साथ हैं-एवा मारिया और मातेओ (2017 में सरोगेसी से जन्म), अलाना मार्टिना (2017 में जन्म) और बेला एस्मेराल्डा (2022 में जन्म)। रोनाल्डो के सबसे बड़े बेटे क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर का जन्म 2010 में हुआ था।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद लिया संन्यास

रोनाल्डो ने हाल ही में आयोजित फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल टीम का प्रतिनिधित्व किया था, जो उनका अंतिम विश्व कप साबित हुआ।

● **27 मैच, 11 गोल:** राउंड ऑफ 16 में स्पेन से 1-0 की हार के साथ ही पुर्तगाल का सफर समाप्त हो गया था। रोनाल्डो ने अपने करियर में रिकॉर्ड 27 विश्व कप मुकाबले खेले और कुल 11 गोल दागे।

● **900 गोल का रिकॉर्ड:** क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पेशेवर फुटबॉल इतिहास में 900 से अधिक आधिकारिक गोल दर्ज करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी दर्ज है

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए त्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670